संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 351
पृष्ठ 8
रविवार
14 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पूजा के बर्तन हो या महंगे...

विचार- आंबेडकर की चेतावनी, लोकतंत्र...

खेल- द. अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड ने...

देश के विकास में है मिजोरम का अहम योगदान-प्रधानमंत्री

ऐजल,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की शांति के प्रदेश की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि देश की प्रगति में मिजोरम का अहम योगदान है। श्री मोदी ने मिजोरम की राजधानी एजल को पहली बार भारतीय रेल से जोड़ते हुए सायरंग–बइरवी रेल मार्ग की शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लिए शनिवार को राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री मोदी ने इस मौके पर गुवाहाटी और कोलकाता के लिए भी हरी झंडी दिखाकर मिजोरम से इन रेलों को रॉसन किया। मिजोरम दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस असम, पश्चिम बंगाल होते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की आनंद विहार पहुंचेगी। उन्होंने इस मौके पर विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मिजोरम की शांति यहां की प्रगति का आधार है। मिजोरम के लोगों का देश के विकास में अहम योगदान है। मिजोरम ने देश को कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। मिजोरम की राजधानी आज भारतीय रेल के मानचित्र पर स्थापित हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ दल सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करते हैं और इसका खामियाजा मिजोरम तथा पूर्वोत्तर को भुगतना पड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की दृष्टि अलग है और वह हाशिये के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने का काम करते हैं। आज मिजोरम को मुख्य धारा से जोड़ दिया गया है और भारतीय रेल के विशाल नक्शे पर मिजोरम स्थापित हो गया है। सायरंग–बइरवी रेल लाइन आज हकीकत में बदलने पर उन्होंने मिजोरम के लोगों को बधाई दी और कहा कि इस दुर्गम क्षेत्र में रेल मार्ग पर रेल लाइन बिछाने का यह सपना रेल के प्रतिभाशाली इंजीनियरों की मेहनत से ही संभव हो सका है। प्रधानमंत्री ने कहा की पिछली 11 साल से वह पूर्वोत्तर के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उनकी सरकार कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दे रही है और इसी का परिणाम है कि पहली बार देश में ग्रामीण सड़क, मोबाइल नेटवर्क राष्ट्रीय राजमार्ग आदि को प्रभावित तरीके से लागू कर दूर दराज के लोगों को लाभ दिया गया है। सरकार सुगमता, कारोबार की विकास तथा ढांचागत विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कि पूर्वोत्तर को दक्षिण पूर्वी एशिया में कारोबार का मुख्य केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिजोरम का केला, मिजोरम के बांस के उत्पाद अधिका इस रेलवे लाइन से बाजार खुलेगा और मिजोरम के लिए भी जरूरी चीजों की आपूर्ति आसान हो जाएगी। उन्होंने कहा की सरकार मेक इन इंडिया और निर्यात को बढ़ावा दे रही है और इसी का परिणाम विदेशी दुनिया में आज सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गयी है। आर्थिक विकास और विनिर्माण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है और उनकी सरकार देश के विकास, देश के हर नागरिक के समृद्धि के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री आज पूर्वोत्तर की यात्रा पर हैं और इस दौरान श्री मोदी इस क्षेत्र को 9000 करोड रुपए से अधिक की सौगात देंगे। श्री मोदी मिजोरम के साथ ही मणिपुर भी जाएंगे।

सीएम योगी ने डॉक्टरों को किया सम्मानित, बोले-

हर मरीज के साथ करें अच्छा व्यवहार

लखनऊ,संवाददात। राजधानी लखनऊ में शनिवार को डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान का पांचवा स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा शामिल हुए। इस मौके पर सीएम योगी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया। लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि डॉक्टरों का व्यवहार मरीजों के लिए काफी अहम होता है। गरीब परिवारों के प्रति आपकी संवेदना होनी चाहिए। अस्पताल में मरीजों को स्ट्रेचर मिल जाए। वार्ड बॉय उनकी मदद करें।

उन्होंने कहा कि यदि किसी गरीब परिवार के किसी व्यक्ति की दुखद मौत हो जाती है, तो संस्थान के वाहन से शव उसके घर तक पहुंचा दें। हमारे पास वाहन नहीं है तो संस्थान एक वाहन खरीद लें। निजी एंबुलेंस जो मरीजों को निजी अस्पताल ले जाती हैं, इन पर रोक लगनी चाहिए। पेशेवर ब्लड डोनेशन करने वाले लोग मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं। इस पर भी रोक लगे। सीएम ने आगे कहा कि लोगों ने सोशल मीडिया को नजरअंदाज किया। विकास किस तरह बाधित हो जाता है। ये हमने पड़ोसी देश में देखा। आज के युग के अनुरूप हमें हर क्षेत्र में खुद को तैयार करना होगा। सेवा पखवाड़ा के दौरान पीएचसी, सीएचसी में आरोग्य मेले लगेंगे। आरएमएल को भी इसमें हिस्सा लेना चाहिए। तमाम घुमंतू जातियां अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखतीं। हमें उन लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि लोहिया संस्थान के विस्तार के लिए दूरदर्शन से बात चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट में आयोग का जवाब

एसआईआर कराने का निर्देश देना, चुनाव आयोग के क्षेत्राधिकार का अतिक्रमण

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि देश भर में नियमित अंतराल पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का कोई भी निर्देश चुनाव आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करेगा। सुप्रीम कोर्ट में दायर जवाबी हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा कि उसके पास मतदाता सूची में संशोधन की नीति का पूरा अधिकार है। जवाबी हलफनामे में कहा गया है कि बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची में संशोधन करने का निर्देश दिया गया है। हलफनामे में कहा गया है कि श्मतदाता सूची तैयार करने और संशोधन की निगरानी करने की संवैधानिक और वैधानिक शक्तियां चुनाव आयोग के पास हैं। देश भर में नियमित अंतराल पर एसआईआर करने का कोई भी निर्देश चुनाव आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण होगा।श चुनाव आयोग का यह हलफनामा वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया है। अश्विनी कुमार ने अपनी याचिका में चुनाव आयोग को पूरे भारत में नियमित अंतराल पर, खासकर चुनाव से पहले मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण करने का निर्देश देने की मांग की है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही देश की राजनीति और नीति तय करें।

चुनाव आयोग ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, संसद और हर राज्य के विधानमंडल के सभी चुनावों के लिए मतदाता सूची की तैयारी और संचालन का पुनरीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण चुनाव आयोग के पास है। 8 सितंबर को शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर अभ्यास में पहचान प्रमाण के रूप में शामिल किया जाना चाहिए और चुनाव आयोग से 9 सितंबर तक निर्देश को लागू करने के लिए कहा था। बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद हो गया है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करना है। वहीं चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य उन लोगों के नाम हटाकर मतदाता सूची को ठीक करना है जो या तो मर चुके हैं, या उनके पास फर्जी पहचान पत्र हैं या जो अवैध प्रवासी हैं। चुनाव आयोग की 24 जून की अधिसूचना के अनुसार, बिहार में अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली है। एसआईआर के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या, सर्वेक्षण से पहले 7.9 करोड़ थी, जो सर्वेक्षण के बाद घटकर 7. 24 करोड़ रह गई।

सपनों का घर अधूरा न रह जाए

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को आवास पुनरुद्धार कोष बनाने का निर्देश

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अधूरी आवास परियोजनाओं से परेशान मध्यम वर्गीय करदाताओं को राहत देने के लिए केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार एक पुनरुद्धार निधि बनाए, जिससे संकटग्रस्त प्रोजेक्ट्स को अस्थायी फंडिंग मिले और खरीदारों के हित सुरक्षित रहें। इसके साथ ही कोर्ट ने आरईआरए को प्रभावशाली बनाने के लिए छह माह में एसओपी तैयार करने का भी आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने करदाताओं और मध्यम वर्गीय घर खरीदारों को लेकर केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिए है। कोर्ट ने घर खरीदारों की स्थिति को देखते हुए सरकार से कहा है कि वह अधूरे पड़े आवास परियोजनाएं को पूरा करने के लिए एक पुनरुद्धार फंड की स्थापना पर विचार करे। बता दें कि यह फंड ऐसे परियोजनाओं को अस्थायी वित्तीय सहायता देगा जो संकट में चल रहे हैं, ताकि घर खरीदारों के हितों की रक्षा हो सके। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जेबी पारडीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि राज्य का संवैधानिक कर्तव्य है कि वह एक ऐसा सिस्टम बनाए जिसमें कोई भी बिल्डर घर खरीदारों के साथ धोखा न कर सके और समय पर प्रोजेक्ट पूरा हो। कोर्ट ने कहा कि सरकार मूकदर्शक नहीं बन सकती और उसे घर खरीदारों और देश की अर्थव्यवस्था दोनों की रक्षा करनी होगी। कोर्ट ने कहा कि रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (आरईआरए) जैसे संस्थान तब तक कारगर नहीं बन सकते जब तक उनके पास पर्याप्त संसाधन, अधिकार और अमल करने की ताकत न हो। इसके लिए कोर्ट ने हर राज्य की आरईआरए को छह महीने में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश भी दिया है ताकि खरीदारों के पैसे का सही इस्तेमाल हो।

गोगोई ने कहा-

जमीनी हकीकत पर नहीं, मोदी की छवि चमकाने पर फोकस

गुवाहाटी,एजेंसी। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने शनिवार को मणिपुर दौरे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह दौरा राज्य की जमीनी सच्चाई से ज्यादा प्रधानमंत्री की छवि पर केंद्रित है। गौरव गोगोई ने कहा कि मणिपुर में मई 2023 में जब जातीय हिंसा शुरू हुई थी, प्रधानमंत्री को तभी शांति की दिशा में पहला कदम रखते हुए राज्य का दौरा करना चाहिए था। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसक झड़पों में अब तक 260 लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। हिंसा के बीच प्रधानमंत्री के मणिपुर न जाने को लेकर विपक्ष लगातार आलोचना करता रहा है। गौरव गोगोई ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मणिपुर में शांति और पुनर्वास का पहला कदम दो साल पहले प्रधानमंत्री मोदी का राज्य दौरा होना चाहिए था। उन्होंने आगे लिखा, अब जब वह दो साल बाद मणिपुर पहुंचे हैं, तो यह दौरा पूर्वोत्तर की भावनाओं का सम्मान करने के लिए होना चाहिए था। लेकिन इसके बजाय यह दौरा जमीनी हकीकत से कटा हुआ और सिर्फ प्रधानमंत्री की छवि पर केंद्रित दिख रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे में कुकी बहुल चुराचांदपुर और मैतेई बहुल इंफाल का दौरा किया। दोनों जगहों पर उन्होंने आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने इन दो शहरों में जनसभाएं भी कीं और राज्य के लिए 8,500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की घोषणा की।

मोदी की हिंसाग्रस्त मणिपुर की यात्रा महज दिखावा- खरगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हिंसा से जूझ रहे मणिपुर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को दिखावा करार देते हुए कहा है कि उन्होंने शांति बहाली का ठोस प्रयास करने की बजाय शोर शराबा करने पर ज्यादा ध्यान दिया है।

श्री खरगे ने प्रधानमंत्री के नाम एक संदेश में शनिवार को कहा श्श्री नरेंद्र मोदी जी, मणिपुर में आपका तीन घंटे का पड़ाव करुणा नहीं, बल्कि एक दिखावा है और हिंसा से घायल हुए लोगों के जख्मों का अपमान है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल और चुराचांदपुर में आप जो तथाकथित रोड शो कर रहे हैं वह राहत शिविरों में रहने वाले लोगों का दर्द सुनने से बचने का एक प्रयास है।

उन्होंने मणिपुर हिंसा के जख्मों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 864 दिनों की हिंसा में लगभग 300 लोग मारे गये और 1,500 से ज्यादा घायल हुए तथा हिंसा के कारण 67,000 लोग विस्थापित हुए हैं। मणिपुर में भड़की हिंसा के बाद से आपने 46 विदेश यात्राएं कीं हैं लेकिन अपने देश के नागरिकों को सहानुभूति के दो शब्द कहने के लिए मणिपुर की एक भी यात्रा नहीं की। मणिपुर के दौरे पर आप इससे पहले जनवरी 2022 में गये और वह भी वहां चुनावी यात्रा पर गये थे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने श्री मोदी पर हमला करते हुए कहा कि आपकी श्डबल इंजनश सरकार ने मणिपुर के निर्दोष लोगों की जान ले ली है। आप और गृह मंत्री अमित शाह की घोर अक्षमता और सभी समुदायों के साथ विश्वासघात की मिलीभगत को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाकर जांच से तो बचा लिया लेकिन वहां हिंसा अब भी जारी है।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून–व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भाजपा की थी लेकिन इसमें केंद्र सरकार फिर से टालमटोल कर रही है। भाजपा को यह भी ध्यान रखना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा पर सुरक्षा आपकी ही सरकार की जिम्मेदारी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा आप अपने लिए एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित कर रहे हैं। यह उन लोगों के घावों का मजाक है जो आपकी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं करने के कारण पीड़ा झेल रहे हैं। आपके शब्दों में कहूं तो, आपका राजधर्म कहां है।

इस बीच पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने भी श्री मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का मणिपुर दौरा इस बात का एहसास कराता है कि एक नेता में सहानुभूति और करुणा का कितना अभाव हो सकता है।

उन्होंने कहा ष्मणिपुर 2023 से जल रहा है और उन्हें आज ढाई साल बाद वहां जाने का समय मिला।

भाजपा नेता मेनका गांधी का बयान

कबूतरों से कोई नुकसान नहीं, पटाखों का प्रदूषण में ज्यादा योगदान

मुंबई,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने शनिवार को उम्मीद जताई कि मुंबई के कबूतरखानों को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि कबूतरों से किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है, जबकि प्रदूषण फैलाने में पटाखों का बड़ा योगदान है। मुंबई में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मेनका गांधी ने यह बात कही। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने पिछले महीने कबूतरों को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा मानते हुए शहर के कुछ पुराने कबूतरखाने बंद कर दिए थे और वहां पर दाना डालने पर रोक लगा दी थी। मेनका गांधी ने कहा कि भारत की नींव करुणा पर टिकी हुई है। यह जीवन जीने और दूसरों को भी जीने देने के सिद्धांत पर आधारित है। आज तक ऐसा कोई उदाहरण नहीं है कि किसी की मौत कबूतरों की वजह से हुई हो। कबूतरों से किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने बताया कि मुंबई में 57 कबूतरखाने हैं, जिनमें से कुछ को बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले पर फैसला लेने के लिए एक समिति गठित की है, जो एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी। मेनका गांधी ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद कबूतरखाने फिर से खोले जाएंगे और उन्हें इस बात का पूरा भरोसा है। मेनका गांधी ने पटाखों के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए।

राहत देने लगी गंगा

प्रयागराज। गंगा का जलस्तर घटने की रफ्तार भी तेज हो गई है। पिछले 12 घंटे (शुक्रवार रात आठ बजे से शनिवार सुबह आठ बजे तक) में फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 20 सेमी कम हुआ है। वहीं, नैनी में यमुना का जलस्तर 21 सेमी कम हुआ। इसी के साथ गंगा–यमुना का जलस्तर अब निरंतर कम हो रहा है। इससे गंगा के कछारी इलाकों में रहने वालों को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। शनिवार सुबह फाफामऊ और छतनाग में गंगा का जलस्तर क्रमशरू 83.62 मीटर और 82.68 मीटर रहा। नैनी में यमुना का जलस्तर 83. 21 मीटर रिकॉर्ड किया गया।

डफरिन में वेंटिलेटर न होने से खतरे में शिशुओं की जान

प्रयागराज। जिला महिला चिकित्सालय (डफरिन) में हर माह लगभग 300 शिशुओं का जन्म होता है। यहां प्रयागराज के अलावा कौशाम्बी से भी मरीज आते हैं। लगभग 200 बेड के अस्पताल में वेंटिलेटर की कोई सुविधा नहीं है। यदि किसी नवजात शिशु की स्थिति अधिक गंभीर हुई तो उसे चिल्ड्रेन अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। लेकिन रेफर किए गए शिशु को चिल्ड्रेन अस्पताल में वेटिलेंटर समय से मिल पाना बहुत मुश्किल रहता है।चिल्ड्रेन अस्पताल में वेंटिलेटर न मिलने पर निजी अस्पताल जाना पड़ता है जहां सामान्य मरीज को इलाज करा पाना संभव नहीं रहता है और शिशु की मौत हो जाती है। डफरिन अस्पताल में वेंटिलेटर की सुविधा न होने का खामियाजा बुधवार को कौशाम्बी की रहने वाली रूबी को उठानी पड़ी। प्रसव के बाद रूबी के बच्चे को सांस लेने में अधिक परेशानी थी। परिजन एंबुलेंस से शिशु को लेकर डफरिन पहुंचे। वहां वेंटिलेटर न होने पर चिल्ड्रेन अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां पहुंचने पर समय से वेटिलेंटर नहीं मिल पाया और शाम को शिशु ने दम तोड़ दिया।

एक दिन में दो जगह मुठभेड़, तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुनानगर जोन की पुलिस ने शुक्रवार की देर रात अलग–अलग जगह पर मुठभेड़ में तीन वांछित बदमाश को गिरफ्तार किया। पैर में गोली लगने से घायल बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके पास से अवैध तमंचा, कारतूस आदि बरामद की गई है। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि संदिग्धों की तलाश में शुक्रवार

की देर रात पुलिस जगह–जगह वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो अलग–अलग जगह पर बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि नैनी व एसओजी की संयुक्त टीम ने बांधरोड नए पुल के समीप मुठभेड़ में उमाशंकर जायसवाल निवासी डंडिया अल्लापुर थाना जार्जटाउन और संतोष कुमार रावत निवासी गयासुद्दीनपुर ट्रांसपोर्ट नगर थाना धूमनगंज को गिरफ्तार किया गया।

उमाशंकर जायसवाल पैर में गोली लगने से घायल हो गया। दोनों की चेन छिनैती की वारदात में वांछित चल रहे थे। आरोपियों ने आठ सितंबर को झिलमिल कॉलोनी के समीप दाउद नगर निवासी नितेश द्विवेदी की पत्नी पूनम द्विवेदी से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए थे। उधर, औद्योगिक थाना क्षेत्र में हाईटेक सिटी सड़वा के समीप पुलिस मुठभेड़ में एक वांछित बदमाश गिरफ्तार किया गया। आरोपी अनुभव उर्फ ईशू रावत निवासी गयासुद्दीनपुर ट्रांसपोर्ट नगर थाना धूमनगंज के पैर में गोली लगी। हालांकि मुठभेड़ के दौरान उसका साथी एमी निवासी करेली फरार हो गया। पूछताछ में बताया कि चोरी व लूट की वारदात को अंजाम देते हैं।

बेहतर शोध प्रश्नावली पर निर्भर है अध्ययन की नींव: चावला

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की मल्टी–डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू) की ओर से शुक्रवार को दो दिवसीय शोध प्रणाली पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज

की पूर्व प्राचार्य प्रो. वत्सला मिश्रा ने चिकित्सा विज्ञान में शोध के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने संकाय सदस्यों से शोध गतिविधियों में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया।प्राचार्य व संरक्षक प्रो. वीके पांडेय ने कहा कि पहले मेडिकल कॉलेज की दो मुख्य भूमिकाएं शिक्षण और रोगी देखभाल थीं। लेकिन अब इनके साथ–साथ शोध को तीसरे महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में और अधिक महत्व दिया जा रहा है। आयोजन अध्यक्ष डॉ. कविता चावला ने कहा कि किसी भी अध्ययन की नींव बेहतर शोध प्रश्नावली पर निर्भर करती है।

विवाहिता व परिवार को जान से मारने की धमकी

प्रयागराज। ट्रांसपोर्ट नगर की एक महिला ने धूमनगंज थाने में अयोध्या के एक युवक के खिलाफ जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर के अनुसार, अयोध्या के जनौरा निवासी रूपेश सिंह पिछले कई महीने से अलग–अलग नंबर से फोन कर पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दे रहा है। सोशल मीडिया पर उसके नाम की फर्जी आईडी बनाकर आपत्तिजनक फोटो वायरल कर बदनाम कर रहा है। आरोपी ने महिला के पति को कई बार फोन कर उसे छोड़ने तक की धमकी दे रहा है। महिला का आरोप है कि चार महीने पहले साइबर सेल में एफआईआर दर्ज कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

पानी की टंकी बने बीत गए आठ साल, नहीं हुई आपूर्ति

प्रयागराज। कल्याणपुर इलाके के बांका जलालपुर में जल जीवन मिशन योजना के तहत लाखों की लागत से पानी की टंकी का निर्माण करवाया गया था ताकि लोगों को दूषित पानी से मुक्ति मिल सके। वे किसी प्रकार की बीमारी से ग्रसित न हों स लेकिन अफसरों की लापरवाही से योजना के क्रियान्वयन पर पानी फिरता नजर आ रहा है। 2014 में लोहिया गांव के तहत दो करोड़ का बजट पास करके लोगों तक स्वच्छ पानी पहुंचाने के लिए पानी की टंकी के निर्माण के लिए स्वीकृति मिली। 2015 में पानी टंकी के निर्माण का कार्य शुरू कराया गया था जो पूरी तरीके से बन कर तैयार भी हो गया स टंकी के निर्माण के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पानी पहुंचाने के लिए गांव–गांव पाइप लाइन बिछाई गई थी।

आठ वर्ष बीत जाने के बाद भी पानी सप्लाई न होने पाने से लोगों में खासा आक्रोश बना हुआ है। यही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बिछाई गई पानी की पाइप भी पूरी अब ध्वस्त हो गई है स इलाके में जल जीवन मिशन योजना की शुरुआत होने से लोगों के अंदर स्वच्छ पानी मिलने की आस जगी। लेकिन क्षेत्र के ज्यादातर गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति नहीं हो सकी है। ऐसे में लोगों की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल तक लोगों को स्वच्छ पानी पहुंचाने की मंशा थी। मंशा के अनुरूप मऊआइमा इलाके की 56 ग्राम सभाओं में कुल 43 टंकियों के बनने का प्रस्ताव हुआ था। लेकिन का निर्माण करवाने के लिए पानी पर पानी की तरह पैसा खर्च करने के बाद भी लोगों की प्यासा बुझने का नाम नहीं ले रही है। अब तक केवल आठ पानी की टंकियां पूरी तरह से बनकर तैयार हुई हैं। लेकिन अब भी 35 टंकियों का काम पूर्ण होना शेष रह गया है। जिसमें ज्यादातर ग्राम सभाओं की टंकियां आधी अधूरी बनी हुई है। हालात ये हैं कि आज भी पानी की समस्या से अधिकतर हिस्सा जूझ रहा है। कुछ इलाकों में काम अधूरा छोड़

दिया गया है, तो कुछ जगहों पर पानी की टंकी अधूरी पड़ी है। कुछ स्थानों पर टंकियां बन गई परन्तु पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है। यही नहीं कम गहराई तक पाइप लाइन बिछाने के कारण पाइप ध्वस्त हो गई हैं। जिससे आज भी लोगों को दूर से पानी लाना पड़ रहा है। ग्राम सभा बांका जलालपुर में लगभग 10 से 12 हजार आबादी वाला क्षेत्र है । पानी टंकी से जल की सप्लाई न होने से जगह जगह पर सरकारी व निजी हैंडपंप लगाया गया है। जिससे पानी की आपूर्ति की जाती है। वहीं कई दिनों तक बिजली न रहने पर लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हालांकि गांवों में इन दिनों कुंए का उपयोग न होने से बेकार पड़ा हुआ है। उपयोग न होने से कुएं का पानी प्रदूषित हो गया है। पाइपलाइन डालने के बाद सड़कों की नहीं हुई मरम्मत हर घर नल से जल योजना के तहत सड़कों के बीचों बीच नाली की तरह खोदकर नीचे पाइप डाल हल्की मिट्टी डालकर आधा अधूरा छोड़ दिया गया था। कुछ स्थानों पर आरसीसी व इंटरलॉकिंग को बीच से खोदकर खराब कर दिया गया था। जिससे सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बरसात होने पर नालियों का पानी सड़कों पर भर जाता है। जल भराव से सड़क पर गड्ढे समझ पाना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने कई बार काम कराने वाले ठेकेदार से इसे सही कराने के लिए कहा, लेकिन उसने गली सही नहीं कराई। बोले जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों के माध्यम से लगातार पाइप लाइन बिछाने के दौरान खराब सड़क व पानी न मिलने की समस्या मिल रही है। शीघ्र निर्माण करवाने को लेकर उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। –उमेश सिंह, खंड विकास अधिकारी, मऊआइमा पिछले काफी दिनों से पानी टंकी बन कर तैयार है। समय बीत जाने के कारण पाइप ध्वस्त होने तथा पाइप लाइन से सड़को की स्थिति खराब होने की बात सामने आई है । संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा। हीरा लाल सैनी, उपजिलाधिकारी, सोरांव

पहले जैसी समस्या आज भी है, हैंडपंप व सबमर्सिबल के पानी से गुजारा होता है। जब तक बिजली रहती पानी मिलता है परंतु बिजली न आने पर महिलाएं दूर से सिर पर बर्तन रखकर दिनभर पानी भरती है। सुनील पटेल, शिकोहाबाद उर्फ बिसानी पंचायत घर के बगल पानी की टंकी सालों पहले निर्माण कराया गया था। परन्तु काम अधूरी छोड़ दिया गया। जिससे गांव में बिछाई गई पाइप ध्वस्त हो गई है। गांव में करीब 10 हजार की आबादी है तथा बगल प्राचीन शिव मंदिर भी है। जहां हजारों की संख्या में भक्त आते हैं। कई ब्लॉक व अन्य अधिकारियों से कहा गया लेकिन मामला जस का तस है। –लाल बहादुर पटेल, प्रधान बांका जलालपुर जल जीवन मिशन के ठेकदारों पर विरोध जताते हुए कहा कि योगी सरकार ने जनता को पानी उपलब्ध कराने के लिए पैसा दिया । नल और जल को छोड़ो अभी तक पाइपलाइन नहीं पड़ी है। –अमजद हुसैन, ग्राम प्रधान छीतेमऊ कनेक्शन जोड़ने के बाद भी नलों पानी नहीं आया है। जिससे पानी भर–भरकर महिलाओं के सिर जख्मी हो गए हैं । और बरसात के समय में कई लोग गिरकर चोटहिल हो गए हैं। –अंकेश पटेल, जिला पंचायत सदस्य ठेकेदारों द्वारा सड़क खोदकर पाइप लाइन डाली गई थी। लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। जिससे उन सड़कों पर लोग हमेशा गिरकर चोटहिल हो रहे हैं। कोई ध्यान देने वाला नहीं है। –राजेंद्र पटेल, पूर्व प्रधान, छीतेमऊ बाजितपुर टंकी का शुरू हुआ जिसमें अनियमितता बरती जा रही थी मैने काम रुकवा दिया था। बाद में काम शुरू हुआ और कुछ समय बाद काम अधूरा छोड़कर गायब हो गए। –राम आधार यादव, छीतेमऊ बाजितपुर पानी टंकी निर्माण कार्य अधूरा है। ठेकेदारों द्वारा तीन सड़क खोदकर खराब कर दी गई। तथा चार साल पहले बनी नाली को उखाड़ दिया है। जिससे ग्रामीणों परेशान है। कई शिकायत की गई पर कोई हल नहीं निकला। –मो. दानिश, ग्राम प्रधान, महरौंडा मेरे ग्राम सभा लगभग पांच हजार की आबादी है। पानी टंकी निर्माण के लिए कई बार प्रार्थना पत्र दिया गया। परन्तु कोई निष्कर्ष नहीं निकला। जबकि शुद्ध पेयजल की बेहद जरूरत है। इस पर ध्यान देना चाहिए। –भागीरथी, ग्राम प्रधान, जोगीपुर जल जीवन मिशन के तहत ऊपर पानी चढ़ाने के लिए लगी मोटर खराब हो गई है। जिससे पानी ऊपर नहीं चढ़ पा रहा है। चार मुख्य स्थानों पर लीकेज से साथ साथ अधिकतर घरों में कनेक्शन होना बाकी है। कई स्थानों पर इंटलॉकिंग खराब हो गई है। इन समस्याओं को लेकर लिखित शिकायत दी गई है। –अशोक कुमार, सिकंदर बराडीह प्रधानपति पानी टंकी बनने से स्वच्छ पानी मिलने की उम्मीद थी लेकिन शुरुवात न होने से अरमान अधूरा ही रह गया । अब बांका जलालपुर की पानी टंकी के शुरू होने की उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। –विनीत कुमार मौर्य, बांका जलालपुर

चार साल से प्रस्तावों में फंसी बेटियों की फीस माफी

प्रयागराज। निजी स्कूल या कॉलेज में पढ़ रही एक परिवार की एक से अधिक बच्चियों में में से दूसरी बच्ची की ट्यूशन फीस माफ करने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा

चार साल से प्रस्तावों में ही फंसी है। मुख्यमंत्री ने दो अक्टूबर 2021 (गांधी जयंती) को लखनऊ में की थी घोषणा कि ऐसी बच्चियों की ट्यूशन फीस या तो संस्था को प्रोत्साहित करते हुए माफ कराई जाएगी या उसकी प्रतिपूर्ति राज्य सरकार करेगी।

इस संबंध में तीन दिसंबर 2024 को शिक्षा निदेशालय से प्रस्ताव भेजा गया लेकिन अफसर किसी निर्णय पर नहीं पहुंच सके। इसी क्रम में अभिभावकों की आय सीमा समेत अन्य बिन्दुओं पर विचार–विमर्श के लिए विशेष सचिव माध्यमिक कृष्ण कुमार गुप्त की अध्यक्षता में 20 अगस्त 2025 को हुई बैठक में तय हुआ कि आय सीमा का निर्धारण (छात्रवृत्ति/फीस प्रतिपूर्ति) समाज कल्याण विभाग की गाइडलाइन के आधार पर किया जाएगा।

फीस माफी या प्रतिपूर्ति का दावा प्रस्तुत करने वाली बच्चियों/अभिभावकों को अन्य योजना से लाभ मिल रहा है या नहीं इसे फिल्टर करने के लिए समाज कल्याण विभाग के छात्रवृत्ति पोर्टल से माध्यमिक शिक्षा विभाग के इस घोषणा के क्रियान्वयन के लिए लागू की गयी योजना को एनआईसी के माध्यम से इंटीग्रेट भी करना होगा। वर्तमान में राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में ट्यूशन फीस नहीं है। वित्तविहीन विद्यालयों के संबंध में भी माध्यमिक शिक्षा विभाग की 2018 में निर्गत फीस नियमन की अधिसूचना के अनुसार ट्यूशन फीस नाम की कोई फीस नहीं ली जाती है बल्कि कम्पोजिट फीस की व्यवस्था निर्धारित है जिसमें समेकित रूप से सभी प्रकार की फीस सम्मिलित हैं। इन स्थितियों में घोषणा के क्रियान्वयन के लिए सुविचारित प्रस्ताव तैयार करने पर सहमति बनी है।

शासन के उपसचिव संजय कुमार ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव को नौ सितंबर को भेजे पत्र में फीस माफी/फीस प्रतिपूर्ति के संबंध में एक सपताह के अंदर संशोधित प्रस्ताव मांगा है।

गलत सलाह और इंजेक्शन, ब्लेड देने वाले डॉक्टर पर गिरेगी गाज

प्रयागराज। लड़की बनने की चाहत में प्राइवेट पार्ट काटने वाले युवक को अगर समय पर एसआरएन अस्पताल नहीं लाया गया होता तो उसकी जान भी जा सकती थी। मीडिया से बातचीत में युवक ने कटरा के एक चिकित्सक की सलाह पर इस तरह का कदम उठाने की बात कही है। उसका कहना है कि डॉक्टर ने ही उसे इंजेक्शन, ब्लेड आदि दिया था और बताया था कि इंजेक्शन लगाने के बाद वह आसानी से अपना प्राइवेट पार्ट काट सकता है।

युवक के परिजनों ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे अमेठी के एक युवक ने शुक्रवार को लड़की बनने की चाहत में खुद ही अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया था।

उसे गंभीरावस्था में एसआरएन अस्पताल भर्ती कराया है। युवक ने प्रयागराज के कटरा स्थित एक निजी डॉक्टर की सलाह पर ऐसा कदम उठाने की बात बताई है। डॉक्टर की गलत सलाह को लेकर युवक के परिजनों में नाराजगी है। उधर, डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है। अभी तक किसी तरह की तहरीर नहीं मिली है। यदि युवक अथवा उसके परिजन तहरीर देते हैं, तो मामले की जांच कर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। बेसुध है मां, बोली डॉक्टर है गुनहगार इकलौते बेटे का यह हस्र देख मां अस्पताल में बेसुध हो गई। लोगों के सवाल पूछने पर वह कई बार अपना आपा भी खो बैठी, बोली– मेरा बेटा ऐसा नहीं था, सीबीएसई के स्कूल में पढ़ा कर उसे तैयारी के लिए इस उम्मीद में यहां भेजा था कि वह अफसर बनेगा। आरोप लगाया कि डॉक्टर की गलत सलाह पर उसके बेटे ने आत्मघाती कदम उठाया। उसने शासन–प्रशासन से आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर कार्रवाई की मांग की है। लड़का बोला, खुशनसीब हूं कि जान बच गई अस्पताल में मीडिया से हुई बातचीत में लड़के ने कहा कि डॉक्टर के कहने पर मैंने कर तो लिया लेकिन मुझे नहीं पता था कि ऐसा करने में एक नहीं बल्कि कई प्रोसिजर होते हैं, जिससे इंसान की जान बचती है वर्ना इंसान की जान भी नहीं बचती है। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि मेरी जान बच गई। उसने बताया कि इंजेक्शन का असर कम हुआ तो दर्द शुरू हुआ उसी क्षण मुझे लगा कि मेरे साथ कुछ गलत हो रहा है। बताया कि बर्दाश्त के बाहर दर्द हो रहा था और पूरे कमरे में खून भर गया था। शरीर में खून की कमी भी हो गई है। बताया कि उसने लोगों से उसी डॉक्टर को बुलाने के लिए कहा था, जिसने उसे सलाह दी थी। इस बातचीत के दौरान उसका सलाह देने वाले डॉक्टर के प्रति नरम रुख देखने को मिला।

फुटपाथ दुकानदारों ने मंडलायुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। आजाद स्ट्रीट वेंडर यूनियन, हाकर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी व पथ विक्रेता संघ ने प्रदेश महामंत्री रवि शंकर द्विवेदी, संरक्षक दिवाका त्रिपाठी, पूर्व पार्षद मुकुद तिवारी, अधिवक्ता प्रमोद भारतीय के नेतृत्व में पटरी दुकानदारों ने एडीएम सिटी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। शुक्रवार को कलक्ट्रेट परिसर में

प्रदर्शन के बाद सभी मंडलायुक्त कार्यालय पहुंचे। अपनी मांगों को लेकर कमिश्नर विजय विश्वास पंत को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया कि शहर 28 वेंडिंग जोन का प्रस्ताव पारित हैं। चिंह्नत वेंडिंग जोन की डीपीआर शासन को भेज दी गई। शासन ने दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजिविका मिशन तहत 83 लाख रुपये वेंडिंग जोन निर्माण को भेज दिया। इसके बाद भी इसके बाद भी पटरी दुकानदार उजाड़े जा रहे हैं। मंडलायुक्त से इस मामले में जांच की मांग की गई है।

160 सहायक अध्यापकों को दिया प्रशिक्षण

प्रयागराज। दिव्यांगजन की शिक्षा एवं पुनर्वास से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर सम्बद्ध हितधारकों के उन्मुखीकरण व दिव्यांगता से जुड़ी विषय वस्तु पर त्रिदिवसीय इन–सर्विस ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन सरस सभागार में हुआ। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप निदेशक अभय कुमार श्रीवास्तव व जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी अशोक कुमार गौतम ने बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत 160 सहायक अध्यापकों को समेकित शिक्षा, ब्रेल लिपि के बारे में जानकारी दी। शुक्रवार को कार्यक्रम के समापन पर सीडीओ हर्षिका सिंह ने प्रशिक्षित शिक्षकों को प्रमाणपत्र दिए। इस दौरान सहायक अध्यापन श्रीनारायण यादव, डॉ. सुषमा सिंह, लवलेश सिंह व अन्य मौजूद रहे।

स्वास्थ्य प्रबोधन संपन्न

प्रतापगढ़! आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ़ के तत्वावधान में एम डी पी जी कालेज प्रतापगढ़ में स्वास्थ्य प्रबोधन कार्यशाला का आयोजन किया गया मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और आरोग्य भारती के उपाध्यक्ष अमित शुक्ल द्वारा धनवंतरि वन्दना द्वारा कार्यशाला की शुरुआत की गई कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ शैलेन्द्र मिश्र प्राचार्य एम डी पी जी कालेज व सञ्चालन डॉ सिमरन उपाध्याय ने किया।

मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय संयोजक आरोग्य भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र डॉ संग्राम सिंह जी की गरिमामय उपस्थिति रही विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ

रंगनाथ शुक्ल प्रांतीय उपाध्यक्ष आरोग्य भारती व डॉ अरविन्द मिश्र पूर्व प्राचार्य एम डी पी जी कालेज प्रतापगढ़ ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सम्यक उपाध्याय ने मानसिक स्वास्थ्य पर प्रबोधन करते हुए मानसिक रोगों उनके लक्षण कारण और उपचार पर विस्तार से चर्चा कीअपने वक्ता क्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि क्षेत्रीय संयोजक डॉ संग्राम सिंह जी ने कहा कि आरोग्य भारती के प्रत्येक आयाम मानव जीवनतथा उनके स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए अग्रणी भूमिका का निर्वहन करते हैं आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ़ का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र में प्रतापगढ़ आरोग्य भारती सर्वाधिक आयामों पर परिचर्चा और कार्यशालाओं का आयोजन कर रही है प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ रंगनाथ शुक्ल जी ने कहा कि आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ़ की नियमित मासिक बैठकें शाखा को आयामों के प्रति सचेत करने का काम करती है जनपद का होने के नाते कई बार बैठकों में सहभागिता कर शाखा के उत्तरोत्तर क्रियाकलापों से अवगत होता रहता हूं और जहां अपेक्षित वहां उपस्थित सिद्धांत पर शाखा को अपनी सेवाओं और सहयोग प्रदान करने का अवसर मिला करता है आज इस कार्यक्रम में आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ़ के पदाधिकारियों सह सचिव डॉ राजेश्वर प्रीतम उपाध्याय कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा डॉ राजीव श्रीवास्तव संजय द्विवेदी के साथ ही महाविद्यालय के कर्मचारियों,छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही उपाध्यक्ष अमित शुक्ल ने शान्ति पाठ और डॉ सुधांशु उपाध्याय ने आभार प्रदर्शन के साथ कार्यशाला की समाप्ति की घोषणा कीस

मुजफ्फरनगर यातायात पुलिस का नया रूप, बेहतर व्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ते कदम

मुजफ्फरनगर। शहर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। भीड़भाड़, अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और प्रतिबंधित स्थानों पर वाहनों की आवाजाही ने आम जनमानस को हमेशा परेशानी में डाला। किंतु हाल ही में यातायात पुलिस ने अपने कार्य करने के अंदाज और तेवर में बदलाव लाते हुए एक नई पहल की है, जिससे शहरवासियों को राहत महसूस हो रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे, क्षेत्राधिकारी यातायात सुश्री ऋषिका सिंह के नेतृत्व में, नवागत यातायात प्रभारी राकेश कुमार ने यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की ठोस शुरुआत की है। उनकी इस मेहनत और संवेदनशील दृष्टिकोण को आम नागरिकों के साथ–साथ व्यापारी वर्ग और सामाजिक संगठनों द्वारा भी सराहा जा रहा है।

राकेश कुमार के नेतृत्व में यातायात पुलिस ने सबसे पहले सड़कों पर सफेद पट्टी के अंदर वाहनों को खड़ा न करने का आह्वान वाहन चालकों से किया है। अब जो वाहन चालक पट्टी के अंदर अपने वाहन खड़े करते हैं, उन्हें न केवल चेतावनी दी जा रही है बल्कि समझाया भी जा रहा है कि यह दूसरों के लिए परेशानी का कारण बनता है। इस मानवीय पहल से लोग जुड़ाव महसूस कर रहे हैं और यातायात पुलिस की छवि भी बेहतर हो रही है।

इसी क्रम में, अतिक्रमण कर सड़क पर सामान रखने वाले दुकानदारों और व्यापारियों से भी संवाद स्थापित किया गया है। उन्हें समझाते हुए यह अपील की गई कि सड़क

सभी की है और उसका सुचारू संचालन तभी संभव है जब सभी लोग सहयोग करेंगे। पुलिस के इस व्यवहारिक रुख ने व्यापारियों को भी सोचने पर मजबूर किया है और कई जगह सुधार दिखाई दे रहा है।

यातायात पुलिस ने प्रतिबंधित क्षेत्रों में ई–रिक्शा की आवाजाही पर सख्ती दिखाई है। न केवल उन्हें रोका जा रहा है बल्कि चालान की कार्रवाई भी अमल में लाई जा रही है। इसके बावजूद पुलिस का प्रयास है कि यह कार्रवाई केवल दंडात्मक न होकर शिक्षाप्रद भी बने, ताकि चालक भविष्य में गलती न दोहराएं।

ठेले, रेहड़ी और पटरी वालों के मामले में पुलिस का रुख पूरी तरह सख्त होने के साथ मानवीय आधारित भी है। उन्हें यह समझाया जा रहा है कि वे सड़क के किनारे अनावश्यक अतिक्रमण न करें और यातायात व्यवस्था में बाधा बनने का काम ना करें। इस तरह पुलिस केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है बल्कि लोगों को जागरूक कर सहयोगात्मक वातावरण बनाने की दिशा में भी काम कर रही है।

नवीन यातायात प्रभारी राकेश कुमार के साथ–साथ पूरी यातायात पुलिस टीम और समस्त टीएसआई (ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर) अपनी मेहनत और लगन से कार्य कर रहे हैं। उनकी कोशिश है कि शहर की सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या कम हो, लोग सुगमता से आवागमन कर सकें और दुर्घटनाओं की संभावना घटे।

मुजफ्फरनगर यातायात पुलिस का यह नया अंदाज और तेवर शहरवासियों के लिए उम्मीद की किरण है। प्रारंभिक स्तर पर सुधार साफ दिखाई दे रहा है। यदि इसी तरह पुलिस और नागरिक मिलकर सहयोग करते रहें, तो निस्संदेह मुजफ्फरनगर की यातायात व्यवस्था आने वाले समय में प्रदेश की आदर्श व्यवस्था में शामिल हो सकती है,जिसकी हम सदैव कल्पना करते आये हैं। 'नादिर राणा लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार मुजफ्फरनगर।'

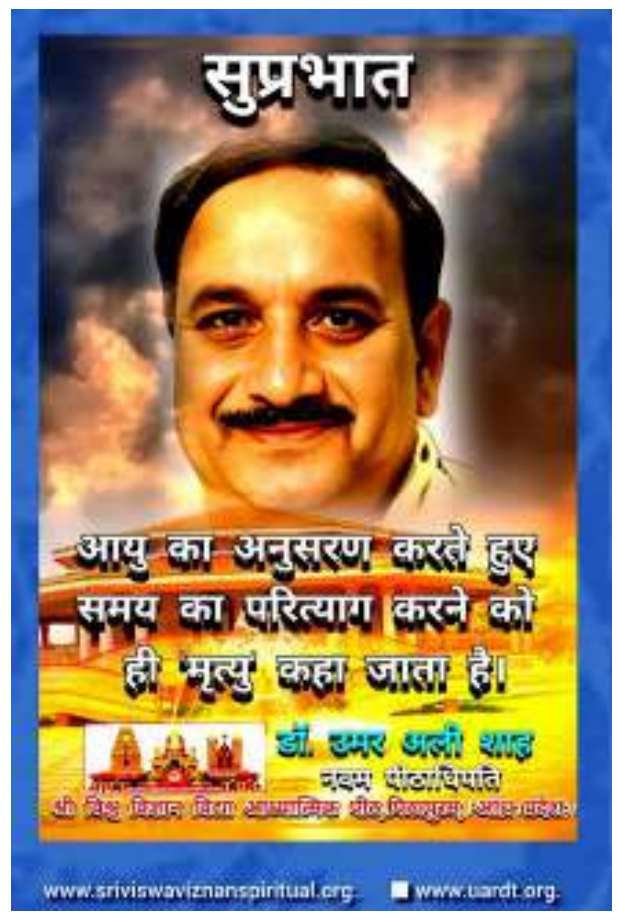

अपराजिता

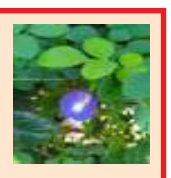

(कुण्डलिया)

कहते हैं अपराजिता, है गुण की वह खान।
शारीरिक हर रोग का, होता जहाँ निदान।
होता जहाँ निदान, बताते वैद्य चिकित्सक।
हर ग्रह का उपचार, करे यह बनकर रक्षक।
सुन लो कहें प्रदीप, देव का प्रिय यह बनके।
करते हैं कल्याण, हमेशा ऋषि मुनि कहते।

अति सुन्दर अपराजिता, मौसम के अनुकूल।
बगिया को शोभित करे, मनचाहा दे फूल।
मनचाहा दे फूल, लताएँ नाँचा करती।
उम्मीदों का भाव, हमेशा भरती रहतीं।
सुन लो कहें प्रदीप, न आँको इनको कमतर।
जिनके नीले श्वेत, फूल लगते अति सुन्दर।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

लोकपाल समाज शेखर की जनसुनवाई में डीह बलई से 40 बिंदुओ पर आई शिकायत

लोकपाल ने डीसी मनरेगा को दिया जांच कर त्वरित कार्यवाही का निर्देश

सदर ब्लाक के पूरे माधव व पूरे रायजू के तकनीकी सहायकों ने लोकपाल के समक्ष उपस्थित होकर ग्राम पंचायत का पक्ष रखा

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई में बाबागंज ब्लाक के डीह बलई से 40 बिंदुओ पर शिकायत प्रस्तुत की गई। मामले की गंभीरता के दृष्टि से लोकपाल ने डीसी मनरेगा को मामले की जांच कर एक सप्ताह के भीतर

त्वरित कार्यवाही का निर्देश दिया। वहीं सदर ब्लाक के पूरे माधव व पूरे रायजू के तकनीकी सहायको ने लोकपाल के समक्ष उपस्थित होकर ग्राम पंचायत की ओर से मनरेगा कार्यो की प्रगति से अवगत कराते हुए ग्राम पंचायत का पक्ष रखा।

लोकपाल ने ग्राम पंचायत पूरे रायजू के सचिव व तकनीकी सहायक से पार्क की दुर्दशा पर सवाल किया तब उन्होंने समय माँगा की जो भी कमियाँ है वह 15 दिवस के भीतर दूर करके सुव्यवस्थित कराये जाने का संकल्प लिया। लोकपाल ने कहा दुरुस्त होने के बाद वहाँ ग्राम चौपाल लगाई जाए हम भी प्रतिभाग करेंगे। वहीं पूरे माधव सिंह के तकनीकी सहायक व सचिव से ग्राम में मनरेगा कार्य काम होने के कारण पूंछा तब बताया गया की दोनों अभी इस गाँव में नये नियुक्त हुए है जिससे स्पष्ट कारण नही प्रस्तुत कर सके। उन्होंने कहा की ग्राम सभा की बैठक करके जरूरी कार्य कराये जायेंगे। बताया की शहर के करीब होने के कारण अधिकतर मजदूर अधिक लाभ हेतु शहर चले जाते है। इस अवसर पर बाबागंज ब्लाक के डीह बलई ग्राम से अंकित शुक्ल पुत्र विद्या शंकर द्वारा 40 बिंदुओ पर अपनी शिकायत लोकपाल के समक्ष प्रस्तुत की गई. अधिकतर मामले एक ही परिवार में कई जाब कार्ड बनाने के हैं। मामले की गंभीरता के दृष्टिगत लोकपाल ने संबंधित ग्राम विकास अधिकारी से वार्ता कर वस्तु स्थित से अवगत होकर शिकायत स्वीकार कर उपायुक्त मनरेगा से जांच कराने का निर्णय लिया। वहीं संबंधित बीडीओ को उक्त मामले में लोकपाल के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर वस्तु स्थित से अवगत कराने का निर्देश जारी किया गया।

सिहोरा के लोगों ने की बाढ़ पीड़ितों की मदद भूरा पहलवान के नेतृत्व में समाजसेवियों द्वारा की जा रही मदद

मथुरा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भूरा पहलवान के नेतृत्व में लक्ष्मी नगर स्थित बाढ़ राहत शिविर,यमुना पुल पर ग्राम पंचायत सिहोरा के समाजसेवियों द्वारा लगातार पांचवे दिन भोजन एवं अन्य सामग्री वितरित की गई।समाज सेवियों ने आलू ,आटा,पानी,पूड़ी सब्जी,दूध,आदि सामग्री जगह – जगह वितरित किए। भूरा पहलवान ने बताया कि उन्होंने अपनी ग्राम पंचायत सिहोरा एवं समाजसेवियों से बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील की थी जिसके फलस्वरूप ग्राम पंचायत सिहोरा के

समस्त लोगों ए व क्षे त्र क समाज सेवियों ने बढ़ च ढ़ क र योगदान किया है। किसान नेता समाज सेवी भूरा पहलवान ने कहा कि जिला प्रशासन ने भी रात – दिन बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत शिवरों में अच्छी व्यवस्था की है।

यमुना का जल स्तर रोजाना कम हो रहा है लोग अपने घरों में वापिस लौट रहे हैं लेकिन अब भी मथुरा में बहुत घर ऐसे हैं जो बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं उन्हें मदद की जरूरत है। इस दौरान। इस दौरान भूरा पहलवान, जे एस जाट, प्रेमपाल भरंगर,वीरपाल गंधार,भीमा चौधरी,मुनिया चौधरी, गिरीश पंडित, दयाल सिंह, देव चौधरी, अशोक,रामवीर यादव,मुकेश,हरीश, भगवान स्वरूप,लेखराज,पोहप सिंह, जीतू जोशी एवं ग्राम पंचायत सिहोरा के सभी लोग मदद करने में जुटे रहे।

रेलवे कालोनी के पास मीट की दुकानों का विरोध

प्रयागराज। नवाब यूसुफ रोड स्थित रेलवे कॉलोनी के पास मीट की दुकानें खोले जाने से लोगों में नाराजगी है। रेलवे में कार्यरत अमित कनौजिया ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर इसकी शिकायत की है।

उनका कहना है कि कोरल क्लब के पास मीट व मुर्गे की कई दुकानें हैं। यहां अराजकतत्वों का जमावड़ा रहता है और ये यहां पर शराब पीते हैं। अमित का आरोप है कि शराब पीने के बाद कई लोग उनके बागीचे में घुस गए थे। इसकी वजह से मारपीट भी हुई थी।

अमित का कहना था कि इन दुकानों की वजह से उधर से गुजरना मुश्किल हो गया है। उन्होंने इन दुकानों को हटाए जाने की मांग की है।

दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या: 01017/01018 लोकमान्य तिलक (ट.) - दानापुर (सप्ताह में दो दिन) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01017 लोकमान्य तिलक (ट.)- दानापुर गाड़ी सं.01018 दानापुर - लोकमान्य तिलक (ट.)

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
------	12:15	लोकमान्य तिलक (ट.)	12:10	------
07:40	07:45	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	15:00	15:05
09:05	09:10	उरई	13:35	13:40
11:00	11:05	गोविन्दपुरी	11:30	11:35
12:15	12:20	फतेहपुर	10:25	10:30
14:35	14:40	सूबेदारगंज	08:05	08:10
22:45	------	दानापुर	------	00:30

लोकमान्य तिलक ट. से: गाड़ी सं. 01017, (सोमवार, शनिवार), दिनांक- 27.09.2025 से 01.12.2025 तक, **दानापुर से:** गाड़ी सं. 01018, (बुधवार, सोमवार), दिनांक- 29.09.2025 से 03.12.2025 तक,
संरचना: स्लीपर श्रेणी: 04, सामान्य श्रेणी: 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 08, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 02

गाड़ी संख्या: 01123/01124 लोकमान्य तिलक (ट.)- मऊ (सप्ताह में दो दिन) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 01123 लोकमान्य तिलक (ट.) - मऊ गाड़ी सं.01124 मऊ - लोकमान्य तिलक (ट.)

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
------	12:15	लोकमान्य तिलक (ट.)	22:20	------
10:10	10:15	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	01:20	01:25
12:10	12:12	उरई	23:52	23:57
15:50	15:55	गोविन्दपुरी	21:50	21:55
17:05	17:07	फतेहपुर	20:45	20:50
18:55	19:00	सूबेदारगंज	18:25	18:30
20:50	20:52	मिर्ज़ापुर	17:25	17:27
05:35	------	मऊ जं.	------	07:35

लोकमान्य तिलक ट. से: गाड़ी सं. 01123, (शुक्रवार, रविवार), दिनांक- 26.09.2025 से 30.11.2025 तक, **मऊ जं.से:** गाड़ी सं. 01124, (रविवार, मंगलवार), दिनांक- 28.09.2025 से 02.12.2025 तक,
संरचना: स्लीपर श्रेणी: 04, सामान्य श्रेणी: 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 08, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी: 02

नोट– ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं० 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1663/25(DG)

'गुरु वंदन - छात्र अभिनन्दन' कार्यक्रम

प्रयागराज। सभारत विकास परिषद् , प्रयाग शाखा के द्वारा 'गुरु वंदन – छात्र अभिनन्दन' कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र, नैनी, प्रयागराज में आज 13 सितम्बर 2025 को मुख्य अतिथि प्रो. राजा राम यादव–पूर्व आचार्य, भौतिक विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय; पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि श्री अजय कुमार मिश्र, प्राचार्य, सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के 750 से अधिक छात्र– छात्राओं, बड़ी संख्या में शिक्षक/ शिक्षकायें, भारत विकास परिषद् प्रयाग शाखा के सदस्य गण उपस्थिति रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तत्पश्चात भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्रों पर पुष्पांजलि से हुईद्य विद्यालय के छात्र– छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं वंदेमातरम का बहुत सुंदर प्रस्तुतीकरण कियाद्य विद्या मंदिर के कक्षा 1 से 9 एवं 11 में सत्र 2024–25 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र / छात्राओं को प्रमाणपत्र और बॉक्स/ पुस्तक आदि प्रदानकर सम्मानित किया गयाद्य कक्षा 10 एवं 12 में यू. पी. बोर्ड और सी. बी. एस ई बोर्ड प्रथम / द्वितीय/ तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता मेधावी छात्र/छात्राओं को प्रमाणपत्र और शब्दकोष प्रदानकर उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु पदार्थ विज्ञान केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. रवींद्र धर; इविंग क्रिस्चियन कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रो. विवेक निगम, सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र श्री राधे श्याम तिवारी, श्री संजय कुमार मिश्र को स्मृति चिन्ह एवं शाल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री अजय कुमार मिश्र ने बच्चों को समोबोधित करते हुए कहा कि जब समाज के लोगों द्वारा प्रयाशों हेतु प्रोत्साहन मिलता है तो बहुत प्रेरणा मिलतीद्य अनुशाषित युवा ही भारत के भविष्य का निर्माता होगा। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रोफेसर राजा राम यादव ने नौनिहालों को बताया कि करुणा और संवेदना मानव के विशेष गुण होते हैंद्य समर्थ और सबल युवा केवल शिक्षा के माध्यम से ही तैयार हो सकते हैंद्य छात्रों को भारत के वैज्ञानिकों, ऋषि मुनियों, संतों को जरूर पढ़ना चाहिए , इससे उन्हें जीवन में अच्छी दिशा तय करने में सुविधा होगी। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष श्री राज नारायण अग्रवाल ने कियाद्य कार्यक्रम का सञ्चालन श्री अगम पाठक और प्रोफेसर सुनील कान्त मिश्र– सचिव, भारत विकास परिषद् ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष डा. पुरुषोत्तम दास ने दिया।

दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

1. गाड़ी सं. 01143/01144 लोकमान्य तिलक (ट.)- दानापुर-लोकमान्य तिलक (ट.) (प्रतिदिन) विशेष रेलगाड़ी

01143 दानापुर-लो.मा. तिलक (ट.)		स्टेशन	01144 लो.मा. तिलक (ट.)-दानापुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	10.30	लोकमान्य तिलक (ट.)	04.50	--
08.38	08.40	मानिकपुर	08.30	08.32
10.40	10.45	प्रयागराज छिवकी	05.45	05.50
18.45	--	दानापुर	--	21.30

लो.मा. तिलक (ट.) से- गाड़ी सं.01143, (प्रतिदिन) दि.-25.09.25 से 30.11.25
दानापुर से- गाड़ी सं. 01144, (प्रतिदिन) दिनांक- 26.09.25 से 01.12.25
संरचना: स्लीपर श्रेणी-10, सामान्य श्रेणी-05 एवं वाता. तृतीय श्रेणी-03

2. गाड़ी सं. 01449/01450 पुणे जं.-दानापुर-पुणे जं. (प्रतिदिन) विशेष रेलगाड़ी

01449 पुणे जं.-दानापुर		स्टेशन	01450 दानापुर-पुणे जं.	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	15.30	पुणे जं.	18.15	--
17.45	17.50	प्रयागराज छिवकी	12.55	13.00
02.00	--	दानापुर	--	05.30

पुणे जं. से- गाड़ी सं. 01449, (प्रतिदिन) दिनांक- 25.09.25 से 30.11.2025
दानापुर से- गाड़ी सं. 01450, (प्रतिदिन) दिनांक- 27.09.25 से 02.12.25
संरचना: स्लीपर श्रेणी-06, सामान्य श्रेणी-06 एवं वाता. तृतीय श्रेणी-04

ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1660/25 FA

सम्पादकीय.....

एंटीबायोटिक दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि भारत में डॉक्टरी सलाह तथा बिना परामर्श के एंटीबायोटिक दवाएं लेना आम बात है। यह जानते हुए भी कि लगातार इन दवाओं के सेवन से उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता गहरे तक प्रभावित होती है। एक समय ऐसा आ जाता है कि रोगों पर ये एंटीबायोटिक दवाएं काम करना बंद कर देती हैं। इस चिंता को हाल में हुए एक अध्ययन ने बढ़ाया है। नये अध्ययन ने एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर किया है, जो बताता है कि भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के पीछे मरीजों की सोच एक प्रमुख कारक है। अधिकांश लोगों की धारणा है कि इन दवाओं के सेवन से वे स्वतरू ही ठीक हो जाएंगे। उन्हें डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर निजी क्षेत्र के कुछ डॉक्टर भी अक्सर अपने मरीजों को बनाए रखने के लिये ऐसा करते हैं। वास्तव में इस प्रवृत्ति के परिणाम खासे चौंकाने वाले हैं। अध्ययन के मुताबिक भारत में अकेले निजी क्षेत्र में ही सालाना आधे अरब से ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लिखी जाती हैं। जिनमें बड़ी संख्या में ऐसी दवाइयां होती हैं, जिनकी वास्तव में जरूरत ही नहीं होती। आमतौर पर बच्चों में होने वाले दस्त के मामले में यह दुरुपयोग सबसे ज्यादा है। हालांकि, ज्यादातर मामले वायरल का प्रभाव होते हैं। ऐसी स्थिति में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट और जिंक सकारात्मक परिणाम देते हैं। अध्ययन से पता चला है कि इसके बावजूद 70 फीसदी मामलों में अभी भी एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि अतार्किक मांग, कड़े कानूनों का अभाव और डॉक्टरों द्वारा जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने के कारण एंटीबायोटिक दवाइयों पर मरीजों की निर्भरता बढ़ती चली गई है। कालांतर एंटीबायोटिक दवाइयों पर लगातार बढ़ती निर्भरता के चलते एक घातक चक्र का निर्माण होता है। जो मरीज के शरीर में तमाम तरह के साइड इफेक्ट भी पैदा करता है। वास्तव में इससे बड़ा संकट यह है कि एक समय के बाद ये दवाइयां रोग के खिलाफ काम करना बंद कर देती हैं। कई तरह के रोग बढ़ाने वाले रोगाणु इनके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। बहुत संभव है कि किसी महामारी के वक्त व्यक्ति का शरीर एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के बावजूद सुरक्षा कवच न दे। निश्चित रूप से इस संकट से बचने का सरल उपचार यही है कि इसका उपयोग कम से कम किया जाए। सरकारों को भी कानून के जरिये इसका नियमन करना चाहिए। हमें इससे जुड़े आसन्न संकट को महसूस करना चाहिए। यह खतरा मरीज की व्यक्तिगत सुरक्षा से कहीं आगे तक विस्तारित है। गंभीर चिंता का विषय यह है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एएमआर दुनिया में सबसे घातक संकटों में से एक के रूप में उभर रहा है। डराने वाला आंकड़ा यह है कि वैश्विक स्तर पर, यह पहले से ही हर साल लगभग 50 लाख मौतों का कारण बनता है। अकेले भारत में, वर्ष 2021 में 2.5 लाख से ज्यादा मौतें सीधे तौर पर एएमआर से जुड़ी थीं और लगभग 10 लाख से ज्यादा मौतें दवा–प्रतिरोधी संक्रमणों से जुड़ी थी। खासतौर पर चिंताजनक तथ्य यह है कि वर्ष 2019 में, गंभीर दवा–प्रतिरोधी जीवाणु संक्रमण वाले केवल 7.8 भारतीयों को ही प्रभावी एंटीबायोटिक्स मिले। जो इस उपचार की एक बड़ी कमी को उजागर करता है। जिसके चलते प्रतिरोधी रोगाणु आसानी से फैलते हैं और एक बार ठीक हो सकने वाले संक्रमणों को घातक बना देते हैं। जिसके चलते सर्जरी, कैंसर के इलाज और नियमित देखभाल को कहीं ज्यादा जोखिमभरा बना देते हैं। निश्चित रूप से इस दिशा में जनजागरण अभियान की जरूरत है कि हर छोटे–मोटे रोग के लिये एंटीबायोटिक दवाइयां लेने की जरूरत नहीं है। जन अभियानों के जरिये एंटीबायोटिक्स से जुड़ी भ्रांतियों को सरकार व सामाजिक स्तर पर दूर करने की जरूरत होगी। इनके अंधाधुंध उपयोग रोकने के लिये कानून से नियमन जरूरी है। साथ ही तर्कसंगत उपचार के लिये किफायती नैदानिक विकल्प व्यापक रूप से उपलब्ध कराने होंगे। साथ ही सरकार सुनिश्चित करे कि जिनको वास्तव में एंटीबायोटिक्स दवाओं की जरूरत है, उन्हें ये समय पर सहज रूप से मिल सकें। अन्यथा प्रतिरोध की यह मौन महामारी अनगिनत लोगों की जान ले लेगी।

आंबेडकर की चेतावनी, लोकतंत्र के माध्यम से हिंदू राष्ट्र का उदय

ए.जी. नूरानी

"यदि हिंदू राज एक वास्तविकता बन जाता है, तो निस्संदेह, यह इस देश के लिए सबसे बड़ी विपत्ति होगी। हिंदू राज को किसी भी कीमत पर रोका जाना चाहिए," बी.आर. आंबेडकर ने अपनी पुस्तक पाकिस्तान ऑर द पार्टिशन ऑफ इंडिया (1946, पृष्ठ 354–355) में लिखा है। वे बहुसंख्यकवाद के विरुद्ध थे, जिसका भारतीय संदर्भ में अर्थ बहुसंख्यक समुदाय, हिंदुओं का बेलगाम शासन था। अंबेडकर ने 24 मार्च, 1947 को राज्यों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर एक ज्ञापन में लिखा था, जिसे उन्होंने संविधान सभा की मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों आदि पर सलाहकार समिति द्वारा गठित मौलिक अधिकारों की उप–समिति को सौंपा थारू ष्भारत में अल्पसंख्यकों के दुर्भाग्य से, भारतीय राष्ट्रवाद ने एक नया सिद्धांत विकसित किया है जिसे बहुसंख्यकों की इच्छानुसार अल्पसंख्यकों पर शासन करने का बहुसंख्यकों का दैवीय अधिकार कहा जा सकता है। अल्पसंख्यकों द्वारा सत्ता में साझेदारी के किसी भी दावे को सांप्रदायिकता कहा जाता है, जबकि बहुसंख्यकों द्वारा पूरी सत्ता पर एकाधिकार को राष्ट्रवाद कहा जाता है। इस तरह के राजनीतिक दर्शन से प्रेरित होकर, बहुसंख्यक अल्पसंख्यकों को राजनीतिक सत्ता साझा करने की अनुमति देने के लिए तैयार नहीं है, न ही वह इस संबंध में किए गए किसी भी सम्मेलन का सम्मान करने को तैयार है, जैसा कि 1935 के भारत सरकार अधिनियम में राज्यपालों को जारी किए गए निर्देश पत्र में निहित दायित्व (मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधियों को शामिल करने) के उनके अस्वीकार से स्पष्ट है। अनुसूचित जातियों को संविधान में शामिल किया गया है।" (बी. शिवा राव, चुनिंदा दस्तावेज, खंड 2, पृष्ठ 113)। वह गलत नहीं थे। समाजवादी आंदोलन के सबसे बेहतरीन दिमागों में से एक, प्रेम भसीन ने लिखारू षजिस आसानी से बड़ी संख्या में कांग्रेसी पुरुष और महिलाएं – छोटे, बड़े और उससे भी बड़े – आरएसएस–भाजपा ख्राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ–भारतीय जनता पार्टी, की नाव में सवार हो गए और उसके साथ चल पड़े, वह आश्चर्य की बात नहीं है। क्योंकि, दोनों के बीच हमेशा एक खास आत्मीयता रही है। कांग्रेस का एक बड़ा और प्रभावशाली वर्ग स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी ईमानदारी से मानता था कि एकजुट स्वतंत्र भारत की वेदी पर हिंदू भारतीयों के हितों की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती। उदाहरण के लिए, पंडित मदन मोहन मालवीय और लाला लाजपत राय ने वास्तव में कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी पार्टी की स्थापना की थी, जिसने 20 के दशक के मध्य में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा था। बाद के वर्षों में, 40 के दशक में, सरदार वल्लभभाई पटेल पर भी कभी–कभी हिंदू प्रतिशोधवादियों के प्रति नरम होने का आरोप लगाया जाता था, जो उस अशांत और भाग्यवादी दौर में जैसे को तैसा में विश्वास करते थे और उसका पालन करते थे।ष घटनाओं ने जनता (वार्षिक अंक 1998) में ष्कांग्रेस–भाजपा जोड़ीष शीर्षक से प्रकाशित प्रेम भसीन के आकलन की सत्यता सिद्ध कर दी है। इस साप्ताहिक पत्रिका की स्थापना जयप्रकाश नारायण ने की थी और इसका संपादन उनके समर्पित अनुयायी डॉ. जी. जी. पारिख ने किया है। लेखक और संपादक एक अनोखे व्यक्तित्व के धनी थे, जो ग्रामीण उत्थान के लिए एक संस्था को निस्वार्थ सेवा प्रदान करते हैं। प्रेम बाबू अलीगढ़ में रहते थे और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के महासचिव थे। साधारण आय वाले व्यक्ति होने के कारण, वे सार्वजनिक पुस्तकालय की पत्रिकाओं के अलावा, अंग्रेजी और हिंदी के सभी राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों का ध्यानपूर्वक अध्ययन करते थे। इस लेखक के अनुसार, वे राजनीतिक परिदृश्य के सबसे व्यावहारिक और ईमानदार टिप्पणीकार थे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्रमुख उद्योगपतियों में से एक, बी.एम. बिड़ला ने 5 जून, 1947 को वल्लभभाई पटेल को लिखारू "मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई है कि वायसराय द्वारा भारत के विभाजन की घोषणा से चीजें आपकी इच्छा के अनुसार हो गई हैं। निस्संदेह यह हिंदुओं के लिए बहुत अच्छी बात है और अब हम सांप्रदायिक दंश से मुक्त हो जाएँगे।"विभाजित क्षेत्र, निश्चित रूप से, एक मुस्लिम राज्य होगा। क्या अब समय नहीं आ गया है कि हम हिंदुस्तान को एक हिंदू राज्य मानें जिसका राजकीय धर्म हिंदू धर्म हो? हमें देश को भी मजबूत बनाना होगा ताकि वह भविष्य में किसी भी आक्रमण का सामना करने में सक्षम हो सके।" पटेल का प्रत्युत्तर त्वरित था। उन्होंने 10 जून, 1947 को उत्तर दियारू "मुझे भी खुशी है कि 3 जून की घोषणा से कम से कम किसी न किसी तरह से चीजें सुलझ गई हैं। अब कोई अनिश्चितता नहीं है।३ मुझे नहीं लगता कि हिंदू धर्म को राजकीय धर्म मानकर हिंदुस्तान को एक हिंदू राज्य मानना संभव होगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अन्य अल्पसंख्यक भी हैं जिनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। राज्य सभी के लिए होना चाहिए, चाहे उनकी जाति या पंथ कुछ भी हो।" यदि हिंदू राज्य को छोड़ दिया जाए, तो पटेल के मन में धर्मनिरपेक्ष राज्य के अलावा और कौन सा राज्य था? (दुर्गा दास द्वारा संपादित, सरदार पटेल का पत्राचार, खंड 4, पृष्ठ 56)। आंबेडकर दूरदर्शी थे। संविधान में संशोधन करके और हिंदू धर्म को राज्य धर्म बनाकर भारत को औपचारिक रूप से हिंदू राज्य घोषित करना आवश्यक नहीं है। प्रशासनिक उपायों से भी यही परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा माना है जिसे संविधान संशोधन द्वारा भी खारिज नहीं किया जा सकता (एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994, 3 एससीसी 1)। आंबेडकर का मानना था कि प्रशासन पर विस्तृत संवैधानिक प्रावधान कारगर होंगे। 4 नवंबर, 1948 को संविधान के प्रारूप को अपनाने के लिए प्रस्ताव रखते समय उन्होंने संविधान सभा को बतायारू ष्यद्यपि सभी लोग एक लोकतांत्रिक संविधान के शांतिपूर्ण संचालन के लिए संवैधानिक नैतिकता के प्रसार की आवश्यकता को स्वीकार करते हैं, फिर भी इसके साथ दो बातें जुड़ी हुई हैं, जिन्हें दुर्भाग्य से, आम तौर पर मान्यता नहीं मिलती। पहली बात यह है कि प्रशासन के स्वरूप का संविधान के स्वरूप से गहरा संबंध है। प्रशासन का स्वरूप संविधान के स्वरूप के अनुरूप और उसी अर्थ में होना चाहिए।

हिन्दी भाषा

हिन्द के हर बच्चे की जुबानी जो,
हर हिन्दुस्तानी को बहुत प्यारी वो ,
हिन्दी हर भाषाओं की महारानी है।
संस्कृत की उत्तराधिकारिणी वो,
समय सेतु को पार करने वाली जो,
पांच उपभाषाएं और अट्ठारह बोलियों की कहानी है।
डिंगल – पिंगल की समरसता – अपभ्रंश व्यवस्थित रूप है जो,
कहीं अवधी कहीं ब्रज की बात निराली है।
अंग्रेजियत काली करतूतों साक्षी जो,
पीड़ा गुलामी की आज़ादी की बीड़ा ठानी वो,
हिन्दी हर भाषाओं की महारानी है।
पाचन शक्ति इसकी बड़ी अनोखी
अरबी, तुर्की, फारसी सम भाषाएं जो,
शब्दों को उनके अपने रंग में रंगने वाली वो,
हिन्दी हर भाषाओं की महारानी है।
शब्द भण्डार विशाल है जिसका
अंग्रेज़ी भी देवरानी है उसकी
संवैधानिक आधार पर बैठी वो,
विश्व पटल पर हिन्दी की अब बारी है,
हिन्दी हर भाषाओं की महारानी है।
साहित्य प्रेमियों को लुभाने वाली,
संवेदनाओं का गान है वो ,
संस्कारों की पहचान है जो ,
भारत का गौरवशाली अभिमान है,
शिक्षा क्षेत्र का सफल साधन है
मानस अभिव्यक्ति का माध्यम है
इसी लिए हिन्दी हर भाषाओं की महारानी है।

विश्वजीत चौबे
हिन्दी विभागाध्यक्ष
सर्वोदय पब्लिक स्कूल
आजमगढ़, उत्तर प्रदेश।
9555799508

हिन्दी भाषा

हिंदी भाषा का जन्म देवभाषा संस्कृत की कोख से 1000 वर्ष पूर्व हुआ है। संस्कृत भाषा का सरलतम रूप हिंदी भाषा ही है। हिंदी भाषा में संस्कृत के काफ़ी शब्दों का समावेश देखने को मिलता है ।

संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, हिन्दी –यह हिंदी भाषा का विकास क्रम है। हिंदी एक भावनात्मक भाषा है, जो लोगों के दिल को आसानी छू लेती है। हिंदी भाषा देश की एकता का सूत्र है।

पुरे विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रचार करने का श्रेय एक मात्र हिंदी भाषा को जाता है। भाषा की जननी और साहित्य की गरिमा हिंदी भाषा जन–आंदोलनों की भी भाषा रही है।

हिंदी दिवसरू– भारत के आजादी के बाद से हिंदी को अधिक महत्व दिया गया है 14 सितंबर 1954 को काफी संघर्षों के बाद हिंदी भाषा को भारत की मुख्य भाषा के रूप में मान्यता दी गई थी सर्वप्रथम 14 सितंबर 1954 को हिंदी दिवस के रूप में मनाया गया था तभी से प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

आज के परिवेश में हिंदी की दशा

हिंदी सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में बोली जाने वाली भाषा है। इसका अध्ययन विदेशों में भी होता है और विश्व के कोने–कोने से लोग भारत सिर्फ हिंदी सिखने के लिए आते है ।

हिंदी के महत्त्व को.....

गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, 'भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी'।

हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। यह खुशी की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी में हिन्दी का इस्ध्तेमाल बढ़ रहा है। आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा पढ़ाई जा रही है। ज्ञान–विज्ञान की पुस्तकें बड़े पैमाने पर हिंदी में लिखी जा रही है। सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है।

हिंदी भाषा का विकास इतना तेज हुआ है कि आप सभी क्षेत्रों मैं जैसे अध्ययन के क्षेत्र में मेडिकल के क्षेत्र में दूरसंचार में सूचनाओं में इंटरनेट पर आदि सभी क्षेत्रों में हिंदी भाषा का विकास तेजी से हुआ है विदेशों में भी हिंदी भाषा को सीखने जानने वह बोलने की उत्सुकता बढ़ी है अब विदेशी लोग भी हिंदी भाषा को सीखने बोलने समझने में अधिक रूचि ले रहे हैं इससे देश विदेश में भी मातृभाषा हिंदी का तेजी से विकास हो रहा हैद्य

–सपना अग्रवाल मुजफ्फरनगर

हिन्दी–हिन्दी बोल

'कबिरा' घर खेली पली, होकर बड़ी निहाल ।
ठुमक–ठुमक चलने लगी, 'सूरा' की तुक–ताल।।

'मीरा' होकर के मगन,धरै न धरती पाँव ।
नज़र न लग जाए कहीं,दी आँचल की छाँव।।

'दास नरोत्तम' ही नहीं, 'रहिमन' आदि प्रमाण।
'खुसरो' ने डाली यहाँ,है हिन्दी में जान ।।

'भूषण' की भाषा बनी,तेज धार तलवार।
गाया 'तुलसीदास' ने, घर–घर पाया प्यार।।

सहज सरल भाषा वही,जो देती रस घोल।
अंतस स्वयं टटोलिए,हिन्दी– हिन्दी बोल ।।

हिन्दी का पर्याय हैं, और दूसरा कौन ।
देतीं सब सम्मान हैं,भाषाएं हो मौन ।।

यात्रा तो लंबी रही,किन्तु न मानी हार ।
सब भाषाओं का रहा,संस्कृत ही आधार।।

सात समुन्दर पार तक,पहुंच गयी है धाक।
हिन्दी का जादू चला ,बगल रहे सब झांक ।।

हिन्दी वाले लोग कुछ,होते बड़े कृतघ्न ।
अवसर मिलता है जहाँ,अंग्रेजी सॅग जश्न।।

हिन्दी हिन्दुस्तान की,भाषा है अनमोल ।
देख प्रगति सब देश ने,द्वार दिए हैं खोल।।

जयराम जय
'पर्णिका' बी–11/1, कृष्ण विहार, आवास विकास,
कल्याणपुर, कानपुर–208017(उ प्र)
मो नं 9415429104;9369848238

करोड़ों दिलों में राज करती हिंदी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं

अरुण कुमार श्रीवास्तव

हिंदी करोड़ दिलों में बसी हुई भाषा है। इसके अलावा विदेशों में भी करोड़ों लोगों के मध्य संवाद की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है किंतु आज पर्यंत तक हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का सर्वोच्च सम्मान अभी भी अपेक्षित है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ष्राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक हैष् हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं और थे, जैसे ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ रामगुलाम, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा ष्हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं कियाष् यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार–प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है। एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है ।अंग्रेजी भाषा रोजगार मूलक जरूर हो सकती है पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्म गौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है । और हिंदी की रामायण गीता रामचरितमानस वैश्विक स्तर पर पढ़ी जाती है। इसे राष्ट्रभाषा बनाकर शीर्ष में सम्मान देने की आवश्यकता है।

श्रिया पिलगांवकर

लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं

एक प्रशिक्षित कथक नृत्यांगना, निर्देशक और उभरती हुई लेखिका भी हैं। उनका मानना है कि महिलाओं को स्क्रीन और सेट दोनों जगह अपनी आवाज बुलंद करने का पूरा हक है। अभिनय के अलावा वे निर्देशन भी पहले कर चुकी हैं और अब लेखन की ओर बढ़ रही हैं। उनकी यह बातचीत ना केवल इंडस्ट्री के पीछे की असलियत उजागर करती है बल्कि यह भी दिखाती है कि कैसे एक कलाकार लगातार खुद को खोजता रहता है, कभी कथक के मंच पर, कभी क्राइम ड्रामा की वर्दी में और कभी निर्देशक की कुर्सी पर। बीते दिनों अपनी वेब सीरीज 'छल कपट' के लिए लखनऊ आईं श्रिया ने लखनऊ के साथ अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए अपनी रचनात्मक यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बातचीत की। स्क्रीन पर कथक दिखाने का मौका मिल जाए मैं कथक डांसर हूं और यहां कथक घराना भी है। मैं जयपुर–लखनऊ मिक्स घराना करती हूं। सांस्कृतिक रूप से लखनऊ बहुत संपन्न है। मुझे आशा है कि अगर एक कलाकारा के तौर पर मौका मिलेगा किसी लाइव लोकेशन पर बढ़िया सा गाना शूट करने का तो मैं नहीं छोड़ूंगी। फिलहाल, अभी मुझे अपने डांस का हुनर दिखाने का स्क्रीन पर उतना मौका नहीं मिला है। मैं प्रार्थना कर रही हूं कि मुझे अपने कथक का टैलंट स्क्रीन पर दिखाने का मौका मिल जाए। मैं खुद को खुशकिस्मत समझती हूं कि बीते कुछ साल में मुझे बहुत अच्छे किरदार करने को मिले हैं। हालांकि, अब तक एक टिपिकल मसाला टाइप फिल्म नहीं मिली है। सीरीज वाली हिरोइन टाइप फिल्में तो खूब मिली हैं। मैं चाहती हूं कि कभी इसका भरपूर मौका मिले। श्द बंगाल फाइल्ज्सश रिव्यूरू असहज कर देगी बर्बरता, डायरेक्ध्टर ने उन्म्माद दिखाने में नहीं छोड़ी कोई कसर श्बागी 4श रिव्यूरू फिल्ध्म नहीं, बुरा वहम है टाइगर श्रॉफ का ये अवतार, कॉपी करने के फेर में डूबी नैया चैवजवेरू तान्या मित्तल पहले दिखती थीं ऐसी, बॉयफ्रेंड ने सुंदर ना होने पर किया था ब्रेकअप, पर तब भी ढाती थीं कहर श्द बंगाल फाइल्सश से थिएटर मालिकों ने खींचे हाथ, पल्लवी जोशी ने राष्ट्रपति से लगाई गुहार, लोग बोले– अब जगराता करो ऐक्टर को इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है आप जब एक ऐक्टर की जिंदगी जीते हो तो आपको इमोशनली बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ता है। दरअसल, लोगों को लगता है कि ऐक्टर्स की लाइफ में ग्लैमर है, फेम है तो उन्हें कोई समस्या नहीं। हमारा नाइन टु फाइव जॉब नहीं होता है। कई महीने तक लगातार काम होगा। फिर कहो बहुत टाइम हो जाए काम ही ना मिले। जब कुछ नहीं हो रहा होता है, तब आप अपनी लाइफ कैसे जीते हो, यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह मैंने अपने पापा से सीखा है क्योंकि वह खुद एक ऐक्टर–डायरेक्टर–प्रोड्यूसर हैं। कभी–कभी सिर्फ पैसिवली काम के लिए ना रुकना, हमेशा सही रास्ता नहीं होता है। आप उस रास्ते को बनाने की कोशिश कीजिए। दोस्तों के साथ मिलकर उसे बनाइए। इतने अच्छे–अच्छे राइटर्स हैं, जिन्हें मौका नहीं मिलता। मैं अभी बहुत इंडिपेंडेंट राइटर्स के साथ मिलकर काम करने की कोशिश कर रही हूं। मुझे एक रोमांटिक फिल्म करनी है। अगर सामने से वो नहीं आ रही तो कोशिश करूंगी कि मैं खुद के लिए उसे लिखूं। कोशिश आगे पता नहीं क्या रंग ले आए। शरीर को क्या–क्या झेलना पड़ता है मुझे लगता है कि मैटरनिटी की जो बात होती है, वो हर प्रोफेशन में बहुत जायज है। दरअसल, औरतों को ही पता है कि प्रेग्नेंसी के बाद उनके शरीर को क्या–क्या झेलना पड़ता है। मैं यह मानती हूं कि स्टार्स जो डिमांड उठा रहे हैं, वो बहुत वैलिड रिक्वेस्ट है, जिसमें कोई दो राय नहीं है। खासकर, जब आपने वो मुकाम बना लिया हो और आप उस स्थिति में हो, जहां आप अपनी बात रख सकते हो, अपना हक मांग सकते हो। पैरंट्स ने एक्सप्लोर करने के लिए पूरा सपोर्ट किया मेरे केस में चीजें अलग थीं। जिंदगी के शुरुआती दस साल स्विमिंग पूल में बिताए हैं। स्टेट लेवल की स्विमर थी तो मैंने स्पोर्ट्समैन की लाइफ ही जी है। अच्छी बात है कि हमेशा ही पैरंट्स ने सपोर्ट किया कि आप एक्सप्लोर करो। मेरे पास वो विशेषाधिकार था, जो बहुत से लोगों के पास नहीं होता है। कोई दबाव नहीं था कि जल्दी पता करो कि जिंदगी में क्या करना है। मैं ये कहूंगी कि अगर आपके खून में ऐक्टिंग की एक सहज प्रवृत्ति है।

रंगीला के 30 साल पूरे, राम गोपाल वर्मा की क्लासिक फिल्म फिर से दिखेगी सिनेमाघरों में

नब्बे के दशक में रिलीज हुई राम गोपाल वर्मा की सुपरहिट फिल्म रंगीला जल्द ही बड़े परदे पर वापसी कर रही है। आमिर खान–उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ स्टारर रंगीला को 30 साल पूरे होने पर इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को अक्टूबर में दर्शकों के लिए फिर से रिलीज किया जाएगा। फिल्म को फिर से वही 30 साल पुराना फील देने के लिए अपग्रेडेड साउन्ड और पिक्चर क्वालिटी के साथ रिलीज किया जाएगा। 30 साल पहले 8 सितंबर, 1995 को रिलीज हुई फिल्म रंगीला उस समय की जबरदस्त हिट साबित हुई थी जिसको अपनी अनोखी कहानी, मनमोहक दृश्यों, और ए आर रहमान के साउंडट्रैक के लिए याद किया जाता है। यह वही फिल्म है जिसमें ए आर रहमान में अपना पहला मौलिक संगीत दिया था। आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ के अभिनय, डायनामिक कोरियोग्राफी और यादगार गानों ने दर्शकों के दिलों पर राज किया था। अल्ट्रा मीडिया के पॉपुलर इनिशिएटिव अल्ट्रा रीवाइन्ड के एक हिस्से के रूप में फिल्म के दोबारा रिलीज करने का उद्देश्य पुराने प्रसंशकों के लिए फिर से वही जादू जगाना और नई पीढ़ी को इसके चार्म से रूबरू कराना है। उर्मिला मातोंडकर ने री–रिलीज से पहले फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, ष्यह मेरे लिए कभी सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। यह एक बेहद खास एहसास था, और आज भी है। जिसमें खुशी थी, उम्मीदें थीं, सपने थे३ और सबसे बढ़कर, जिंदगी को सेलिब्रेट करने का मौका था। निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने कहा, जब रंगीला आई थी, उस वक्त की फिल्मों में प्रेम कहानियों को जरूरत से ज्यादा खींचा जाता था और गानों का इस्तेमाल तो बस टाइम पास के लिए होता था। मेरे लिए रंगीला एक ख्वाब था, एक उम्मीद थी। श्मिलीश उस हर आम इंसान की तस्वीर थी जो कुछ बड़ा करने और बड़े सपने देखने की हिम्मत करता है। मुन्ना और कमल उस सपने के दो पहलू थे कृ एक सड़क की जिंदगी से जूझता चालाक लड़का और दूसरा चमकता–दमकता हीरो कृ दोनों असली, दोनों में ही कमियां थीं, लेकिन दोनों ही बेहद जरूरी। अब जब फिल्म फिर से रिलीज हो रही है, खुशी इस बात की है कि आज की नई पीढ़ी इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देख पाएगी। अल्ट्रा मीडिया के सीईओ सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, ष्रंगीला को सिनेमाघरों में वापस लाकर हमें बेहद खुशी हो रही है। यह 90 के दशक की एक ऐतिहासिक फिल्म है, और इसके दोबारा रिलीज से पुराने और नए दर्शक, दोनों ही इसके सदाबहार आकर्षण को महसूस कर पाएंगे। सात फिल्मफेयर अवॉर्ड जीतने वाली ये फिल्म, जिसमें ए. आर. रहमान को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड भी मिला था, प्रेम कहानियों पर आध ाारित फिल्मों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई थी। रंगीला को बॉलीवुड में नए दौर की सोच और स्टाइल लाने में बड़ी और अहम भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। फिल्म अक्टूबर में सिनेमागृहों में रिलीज होगी।

हरियाणा की टिक–टॉक स्टार और बीजेपी नेता सोनाली फोगाट की मौत मामले में परिवार को झटका लगा है। गोवा की कोर्ट ने आरोपी सुखविंदर सिंह को विदेश जाने की इजाजत दे दी है। सुखविंदर का पासपोर्ट पहले कोर्ट में जमा था। जिसे उसे लौटा दिया जाएगा। इस मामले को लेकर गुरुवार को गोवा की जिला कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुखविंदर के वकील सुखवंत सिंह दांगी ने उसका पक्ष रखा। सुखवंत सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि कोर्ट ने रोल व अन्य महत्वपूर्ण पक्षों को देखते हुए सुखविंदर को विदेश जाने की इजाजत दी है। सुखविंदर 9 से 13 सितंबर तक इंडोनेशिया के बाली जाना चाहता है। इसके बाद 17 सितंबर तक चंगू रहेगा। 17 सितंबर के बाद वह उलुवातू जाएगा। जहां वह 22 सितंबर तक रुकेगा। 23 सितंबर को वह वापस इंडिया आएगा। इस टूर से लौटने के बाद उसे तत्काल पासपोर्ट सीबीआई को फिर से हैंडओवर करना होगा। कोर्ट ने उसे 23 सितंबर तक वापस लौटने के लिए कहा है, ताकि 24 सितंबर को मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में उपस्थित रह सके। 24 सितंबर को दोपहर 2.30 से पहले कोर्ट में उपस्थित होना है। सुखविंदर ने कोर्ट में कहा है कि वह 24 सितंबर को कोर्ट में पहुंच जाएगा। इस मामले में अब अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी। कोर्ट के फैसले पर परिवार नाराज इस फैसले पर सोनाली फोगाट के भाई रिंकू ने बताया कि हम तो 2 साल से सोनाली की गाड़ियां मांग रहे हैं, उस पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इन्होंने कल ही कोर्ट में अर्जी लगाई और विदेश जाने की इजाजत मिल गई।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक फिल्में बनीं जिनके किरदारों ने ऑडियंस को बहुत इंप्रेस किया. वहीं कुछ ऐसी फिल्में भी सामने आईं जिनमें फीमेल लीड के एक्शन सीक्वेंस ने ऑडियंस को उनकी तारीफ करने पर मजबूर कर दिया. इन फिल्मों में हसीनाओं का जबरदस्त रूप देखने को मिला जहां वो शेरनियों की तरह लड़ती नजर आईं. इस लिस्ट में हॉलीवुड की कई बड़ी एक्ट्रेसेस का नाम शामिल है. इतना ही नहीं साथ में एक बॉलीवुड की हसीना का दिलचस्प किस्सा आपको बताएंगे. इन फिल्मों में फीमेल लीड ने दिखाया अपना एक्शन पैक्ड परफॉर्मेंस 1. एंजेलीना जोली– सॉल्ट हॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस एंजेलिना जोली ने हमेशा ही अपने परफॉर्मेंसेस से दर्शकों का दिल जीता है. स्पाई थ्रिलर फिल्म सॉल्ट में उन्होंने अपने धमाकेदार एक्शन सीन्स से ऑडिएंस से बहुत तारीफें बटोरीं थी. ए क इंटरव्यू में फिल्म के प्रोड्यूसर सुनील प्रकाश ने कहा था कि फिल्म में ज्यादातर स्टंट्स से एक्ट्रेस ने खुद किया और इंटरव्यूज में उन्होंने बताया कि इस फिल्म के एक्शन सीक्वेंस करने में उन्हें भी बहुत मजा आया और वो चाहती थीं फिल्म में हर एक सीन बिलकुल रियलिस्टिक लगे। इस वजह से उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया. ये फिल्म 2010 में रिलीज हुई थी और आज भी दर्शक एक्ट्रेस की इन जबरदस्त स्टंट्स के लिए उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं. ऐसी फिल्में जिनमें हीरोइन शेरनियों की तरह लड़ीं, लिस्ट में मौजूद 5 एक्ट्रेस में एक बॉलीवुड से 2. एना डी अरमास दृ बैलेरिना फ्रॉम द वर्ल्ड ऑफ जॉन विक ये फिल्म इसी साल 6 जून को रिलीज हुई थी. फिल्म के ट्रेलर में ही ऐना डी अरमास का जबरदस्त एक्शन सीन देखने को मिला जहां वो कीनू रीव्स के साथ शेरनी की तरह लड़ती नजर आईं. हर किसी को उन्होंने अपने इस दमदार परफॉर्मेंस से इंप्रेस किया और फिल्म में भी उनकी वायलेंट और ब्रूटल एक्शन पैक्ड सीन ने फैंस के होश उड़ा दिए. ऐसी फिल्में जिनमें हीरोइन शेरनियों की तरह लड़ीं, लिस्ट में मौजूद 5 एक्ट्रेस में एक बॉलीवुड से 3. उमा थर्मनदृ किल बिल हॉलीवुड एक्ट्रेस उमा थर्मन ने अपने जबरदस्त एक्शन और तलवारबाजी से सभी के दिल में अपनी जगह बनाई है।

दिलजीत दोसांझ का होम्बले फिल्म्स की 'कंतारा: चौप्टर 1' में होगा स्पेशल गाना

होम्बले फिल्म्स की फिल्म कंतारा चौप्टर 1 इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। यह बिना किसी शक सबसे बड़ी पैन–इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से चर्चाएं जोरो पर है। फिल्म को लेकर बढ़ती हुई उत्सुकता के बीच, अब एक ओर दिलचस्प अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक फिल्म में जाने माने सिंगर दिलजीत दोसांझ एक गाने को अपनी आवाज से सजाने वाले हैं। कंतारा चौप्टर 1 की चर्चा हर बीतते दिन के साथ ही बढ़ती जा रही है। ऐसे में एक रोमांचक खबर सामने आई है कि इस फिल्म में मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का एक गाना शामिल होगा। जिसकी रिकॉर्डिंग कल मुंबई के ल्थ् स्टूडियोज, अंधेरी में होगी। यह एक और बड़ा सहयोग है, जो सच में फिल्म की भव्यता को और बढ़ाने वाला है। कंतारा चौप्टर 1 में दिलजीत दोसांझ के साथ मेकर्स का यह कोलैबोरेशन एक खास सहयोग है, क्योंकि इसके जरिए दो बड़े कल्चर आइकॉन साथ आ रहे हैं। एक तरफ, श्कंताराश ने भारत की संस्कृति को उसकी जड़ों से दुनिया के सामने मजबूत तरीके से पेश किया है, वहीं दूसरी तरफ, दिलजीत दोसांझ ने अपने गानों के जरिए भारतीय संस्कृति को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहुंचाने के साथ, उसे जिंदा रखा है। इस तरह से दोनों ने मिलकर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। 'कंतारा चौप्टर 1' होम्बले फिल्म्स की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनिश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल नैरेटिव को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है।

पूजा के बर्तन हो या महंगे शोपीस, तांबे और पीतल की चीजों की खोई चमक लौटाएगी होममेड पितांबरी

घरों में अक्सर पूजा के तांबे के बर्तन या फिर सजावट के लिए रखे गए पीतल और एल्युमीनियम के शोपीस कुछ समय बाद मैल लगने से काले पड़ना शुरू हो जाते हैं। जिन्हें बाद में साफ करने में बहुत मेहनत लगती है। हालांकि कड़ी मेहनत के बावजूद ये बर्तन और चीजें अच्छी तरह साफ नहीं हो पाती हैं। ऐसे में महिलाएं स्टील, तांबे, पीतल और एल्युमीनियम के बर्तनों को साफ करने के लिए बाजार से पितांबरी पाउडर खरीदकर लाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं बाजार जैसा पितांबरी पाउडर आप बड़ी आसानी से किचन में मौजूद कुछ चीजों की मदद से बी बना सकती हैं। आइए जानते हैं कैसे–

होममेड पितांबरी बनाने के लिए जरूरी चीजें–

– एक चौथाई कप टाटरी (साइट्रिक एसिड)

–एक चौथाई कप नमक

–एक चौथाई कप गेहूं का आटा

–एक चौथाई कप डिटर्जेंट पाउडर

–2–3 बूंद फूड कलर

होममेड पितांबरी बनाने का तरीका–

होममेड पितांबरी पाउडर बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सभी सामग्री जैसे– टाटरी, नमक, गेहूं का आटा, डिटर्जेंट पाउडर और फूड कलर को एक बर्तन में डालकर अच्छी तरह सभी चीजों को एक साथ मिलाने के बाद एक बार मिक्सी में कुछ सेकेंड के लिए चला लें। इसके बाद इस पाउडर को एक एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करके रख लें।

पितांबरी का यूज करने के टिप्स–

पितांबरी से किसी चीज को चमकाने के लिए एक स्क्रबर में इस होममेड पितांबरी को लगाकर बर्तन को रगड़ते हुए साफ करें। आप देखेंगे कि कुछ ही मिनटों में आपका मैला बर्तन पहले की तरह चमक उठेगा।

सब्जी नहीं इस बार बनाएं बैंगन भाजा, स्पाइसी होने के साथ क्रिस्पी भी है ये टेस्टी बंगाली रेसिपी

बैंगन की सब्जी तो कई बार बनाकर खाई होगी। लेकिन क्या आपने बैंगन से बनने वाली साइड डिश बैंगन भाजा को कभी ट्राई किया है। बैंगन भाजा बंगाल की एक पारंपरिक साइड डिश है, जो काफी मसालेदार होने के साथ खाने में कुरकुरी होती है। इसे बंगाली लोग खाने के साथ परोसते हैं। आइए जानते हैं कैसे बनाई जाती हैं बंगाली डिश बैंगन भाजा।

बैंगन भाजा बनाने के लिए सामग्री–

–1 बड़ा बैंगन

–) चम्मच हल्दी पाउडर

–1 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर

–(कप चावल का आटा

–1 चम्मच चीनी

–1 चम्मच नमक

–सरसों का तेल (तलने के लिए)

बैंगन भाजा बनाने का तरीका–

बैंगन भाजा बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन ध ोकर उसे किचन टॉवल से पोंछकर अच्छी तरह सुखा लें। इसके बाद बैंगन के ऊपर का 1 इंच का हिस्सा हटाकर इसे 2 सेमी मोटे स्लाइस में काटकर पानी में भिगोकर रख दें। ताकि ये काले न पड़ जाएं। बैंगन भाजा बनाने से तोड़ी देर पहले पानी में भिगोए हुए इन कटे हुए बैंगन को पानी से निकालकर पेपर टिशू से साफ कर लें ताकि उससे अतिरिक्त पानी निकल जाए। अब एक प्लेट में हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर, चावल का आटा, चीनी और नमक मिलाएं और बैंगन के टुकड़ों को चावल के इस आटे के मिश्रण में दोनों तरफ से अच्छी तरह लपेटकर रख दें। अब मीडियम आंच पर एक फ्राइंग पैन में 2–3 बड़े चम्मच सरसों का तेल गरम करके उसमें बैंगन के टुकड़ों को दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक फ्राई करें। इसके बाद तले हुए बैंगन से अतिरिक्त तेल निकालने के लिए तले हुए बैंगन को किचन टिश्यू लगी प्लेट में निकालकर परोसें।

एक कॉफी न सिर्फ सुबह आपकी नींद को भगाकर एनर्जी देती है बल्कि इससे कई सारे ब्यूटी बेनेफिट्स भी मिलते हैं। कॉफी में मौजूद प्राकृतिक गुण त्वचा और बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। इस स्टोरी में हम आपको बताएंगे की कॉफी का कैसे हो सकता है ब्यूटी रिजीम में इस्तेमाल...

एक्सफोलीएटिंग स्क्रब

ये एक नेचुरल एक्सफोलीएटिंग स्क्रब के रुप में काफी कारगर हो सकता है। इसे बनाने के लिए ग्राउंड कॉफी को नारियल तेल या जैतून का तेल के साथ मिलाएं।

आंखों के लिए डी– पफर

कॉर्टन पैड या साफ कपड़े की मदद से अपनी आंखों के नीचे ठंडी कॉफी लगाएं। कॉफी में मौजूद कैफीन सूजन और काले घेरों को कम करने में मदद कर सकता है।

सेल्युलाईट ट्रीट करें

पिसी हुई कॉफी को थोड़े से गर्म पानी के साथ मिलाकर एक कॉफी सेल्युलाईट स्क्रब बनाएं और सेल्युलाईट से प्रभावित क्षेत्रों पर इससे मालिश करें।

हेयर एक्सफोलिएंट

अपने रेगुलर शैम्पू के साथ कॉफी ग्राउंड मिलाएं और इसे धीरे से अपने स्कैल्प को एक्सफोलिएट करने के लिए इसका इस्तेमाल करें। ये डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद कर सकता है, जिससे हेयर ग्रोथ मिलती है।

फेस मास्क

कॉफी ग्राउंड को शहद या फिर दही के साथ मिलाकर फेस मास्क बनाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं। 15 मिनट बाद साफ पानी से धो कर उतार दें। ये मास्क स्किन टाइटेनिंग और उसके टेक्स्चर को सुधारने में काफी मदद कर सकता है।

स्मोकिंग करने वाले जानते हैं कि यह उनकी सेहत के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है, वह आए दिन इससे जुड़ी कई भयावह कहानियां भी सुनते हैं लेकिन इस सब के बावजूद वह इसे छोड़ने के लिए तैयार नहीं रहते। सरकारें और संगठन भी धूम्रपान रोकने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाते हैं पर फिर भी दुनिया भर में करीब एक अरब लोग धूम्रपान करते हैं।

कनाडा सरकार ने उठाया बड़ा कदम

हर साल करीब 60 लाख लोग धूम्रपान से जुड़ी बीमारियों के कारण जान गंवा देते हैं। अनुमान है कि साल 2030 तक धूम्रपान की वजह से सालाना 80 लाख लोगों की मौत हो सकती है। इन सब बातों को गंभीरता से लेते हुए कनाडा सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मिलने वाली हर सिगरेट पर चेतावनी लिखी मिलेगी।

नए नियम जल्द होंगे लागू

समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक कनाडा सरकार ने नए नध्यिमों को लागू किया है, जिसके तहत कनाडा में बेची जाने वाली प्रत्येक सिगरेट पर "सिगरेट नपुंसकता और कैंसर का कारण बनती है", "हर कश में जहर" चेतावनी लिखनी होगी। सरकार का दावा है कि इस नए पहल के बाद देश में धूम्रपान करने वालों की तादात में कमी आएगी।

यह नियम बनाने वाला पहला देश बना कनाडा

इस तरह के स्ध्वास्थ्ध्य संबंधी नियमों को लागू करने वाला कनाडा पहला देश होगा। याद हो कि साल 2000 में तंबाकू के उपयोग से जुड़े स्वास्थ्य खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सिगरेट के पैक पर ग्राफिक चेतावनियां देने वाला कनाडा पहला देश बन था। दावा किया जा रहा है कि यहां धूम्रपान का चलन काफी कम हुआ है।

अब हर सिगरेट पर छपी होगी चेतावनी

कनाडा की पूर्व एडिक्शन मिनस्टर कैरोलिन बेनेट का कहना है कि आमतौर पर लोग सिर्फ एक सिगरेट खरीदकर पीते हैं, ऐसे में सिगरेट के डिब्बे पर छपे वैधानिक चेतावनी को नहीं पढ़ पाते थे। अब हर सिगरेट पर छपी चेतावनियों पर लोगों का ध्यान जाएगा।

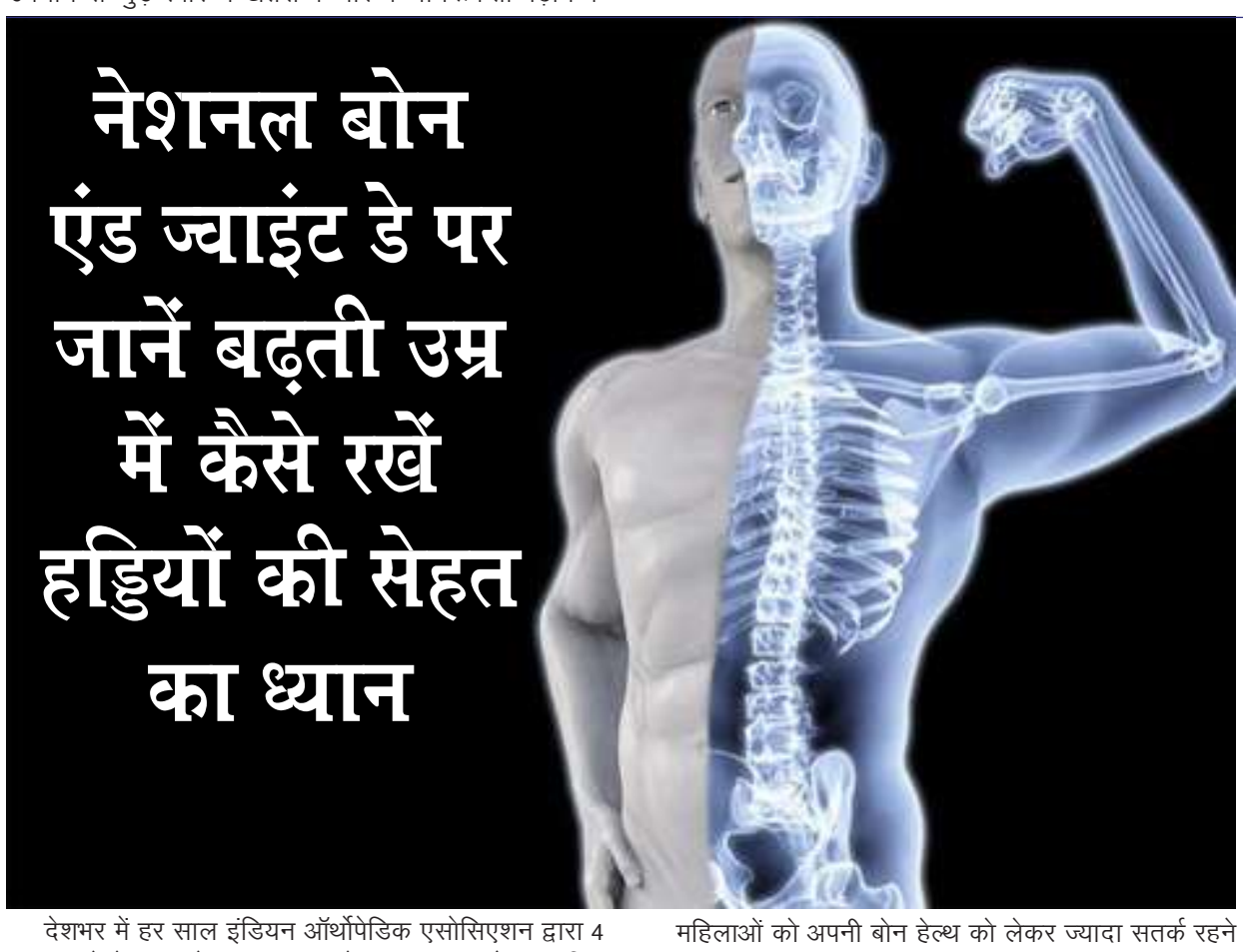

देशभर में हर साल इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन द्वारा 4 अगस्त को नेशनल बोन एंड ज्वाइंट डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य भारतीय जनता के बीच हड्डी के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करना है। साल 2013 में इंटरनेशनल ऑस्टियोपोरोसिस फाउंडेशन में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब 80 फीसदी शहरी आबादी में विटामिन डी की कमी है। जो कि हड्डियां कमजोर होने की एक बड़ी वजह है। इसके अलावा उम्र बढ़ने के साथ–साथ भी व्यक्ति की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में फोर्टिस अस्पताल (शालीमार बाग) के डायरेक्ष्टर एंड एचओडी आर्थोपेडिक्स डॉ अमित पंकज अग्रवाल से जानने की कोशिश करते हैं कि आखिर कैसे बढ़ती उम्र में हड्डियों की सेहत का ध्यान रखा जा सकता है।

डॉ अमित कहते हैं कि एजिंग यानि उम्र का बढ़ना ऐसी प्रक्रिया है, जो व्यक्ति के शरीर को ही नहीं बल्कि उसकी हरेक कोशिका तक को प्रभावित करती है। एजिंग की वजह से व्यक्ति की हड्डियां प्रभावित होने की वजह से कमजोर होने लगती हैं। यही वजह है कि बढ़ती उम्र में हड्डियों की सेहत और उन्हें मजबूत बनाए रखने पर डॉक्टर खास जोर देते हैं।

बढ़ती उम्र में बढ़ने लगता है ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा–

उम्र बढ़ने के साथ ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा भी बढ़ता है। यह ऐसी सामान्य स्थिति है जिससे बचने की व्यक्ति को हर संभव कोशिश करनी चाहिए। अक्ष्सर, यह देखा गया है कि 50 साल से अधिक उम्र के लोगों की इसी वजह से हड्डी टूट जाती है। जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, बोन लॉस भी बढ़ता रहता है और यह नई हड्डी बनने की रफ्तार से कहीं अधिक तेजी से होता है, लेकिन इस स्थिति से निपटना आसान है। जरूरी यह है कि आप हर कीमत पर अपनी हड्डियों का बचाव करें, बढ़ती उम्र में तो ऐसा करना और भी जरूरी हो जाता है।

महिलाएं रखें खास ख्याल–

महिलाओं को अपनी बोन हेल्थ को लेकर ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत होती है। ऐसा इसलिए क्ध्योंकि मेनोपॉज (रजोनिवृत्ति) के पहले 5 से 7 वर्षों में वह अपनी 20 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देती हैं।

बढ़ती उम्र में ऐसे रखें अपनी बोन हेल्थ का ध्यान–

कैल्शियम सप्लीमेंट –

50 साल से अधिक उम्र की महिलाएं और 60 साल से अधिक उम्र के पुरुषों को प्रतिदिन 1,200 मिलीग्राम कैल्शियम की आवश्यकता होती है। इस आयुवर्ग से कम उम्र के पुरुषों और महिलाओं को कम से कम 1,000 मिलीग्राम कैल्शियम का सेवन करना चाहिए। इसके लिए कैल्शियम युक्ध्त खाद्य पदार्थों और दूध ा का पर्याप्ध्त मात्रा में सेवन करें। कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थों में शामिल हैं– स्किम्ध्ड दूध, दही, मेवे, और सैल्ध्मन मछली भी कैल्शियम का अच्छा स्रोत मानी जाती है।

प्रोटीन तथा माइक्रोन्यूट्रिएंट्स–

भोजन में अधिक प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स जैसे विटामिन के, पोटेशियम और मैग्नीशियम को शामिल करने से भी हड्डियों की सेहत में सुधार होता है। इसके अलावा पोटेशियम से भरपूर सब्जी और फल जैसे कि शकरकंदी, पालक, केले और मैग्नीशियम युक्त खाद्य पदार्थों जैसे बीन्स, बीजों, मेवों और साबुत अनाजों को भी शामिल करने से लाभ होता है।

विटामिन डी3 सप्लीमेंट –

प्रतिदिन कम से कम 600 से 800 इंटरनेशनल यूनिटों के सेवन का लक्ष्ध्य रखें।

नियमित व्ध्यायाम–

नियमित रूप से व्यायाम करने से भी बोन डेंसिटी को मेंटेन करने में मदद मिलती है। जिस तरह व्ध्यायाम करने से मांसपेशियों को फायदा मिलता है उसी तरह शारीरिक गतिविधियों को करने से व्यक्ति की हड्डियां भी मजबूत बनी रहती हैं। इसके अलावा, आप वजन उठाने वाले व्यायाम जैसे कि सैर या वेट लिफ्टिंग भी कर सकते हैं। ये सभी चीजें हड्डियों को मजबूत बनाने में खासतौर से प्रभावी होती हैं। नियमित शारीरिक गतिविधियां जैसे कि सैर करने से हमारी बोन डेन्सिटी में सुधार होता है, और लो बोन मास वाली पोस्टमेनोपॉजल महिलाओं की हड्डियों को भी ताकत मिलती है।

शरीर का वजन कंट्रोल रखें–

सामान्य से कम वजन होने पर बोन लॉस और फ्रैक्चर की आशंका बनी रहती है। जबकि जरूरत से ज्यादा वजन बढ़ने पर बाजू या कलाई में फ्रैक्चर का खतरा बना रहता है। ऐसे में बोन हेल्थ को बनाए रखने के लिए हेल्दी बॉडी वेट बनाकर रखें।

संक्षिप्त

जीएसटी सुधार से वित्त वर्ष 2026 में खुदरा महंगाई 3.1 फीसदी पर रहने का अनुमान, ठवठ की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। जीएसटी सुधार से आने वाले दिनों में रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें कम होनी शुरू हो सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में समग्र मुद्रास्फीति (सीपीआई) लगभग 3.1 प्रतिशत पर स्थिर या इससे और भी कम रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में महंगाई दर में और नरमी देखी जा सकती है। सरकार द्वारा अप्रत्यक्ष करों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक धीरे–धीरे पहुंचेगा, जिससे महंगाई पर दबाव कम हो सकता है। अनुमान जताया गया है कि वित्त वर्ष 2025–26 में औसतन सीपीआई महंगाई 3.1: पर रहेगी, हालांकि इसमें गिरावट का जोखिम बना हुआ है। इसमें कहा गया है कि अगस्त 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (ब्च्) आधारित महंगाई दर में राहत देखने को मिली है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार गिरावट की वजह से खुदरा महंगाई अगस्त में घटकर सालाना आधार पर 2.1: रही। पिछले वर्ष अगस्त 2024 में यह दर 3.7: दर्ज की गई थी। अगस्त 2025 में खाद्य महंगाई के मोर्चे पर राहत का सिलसिला जारी रहा। ताजा आंकड़ों के अनुसार सब्जियों, फलों, मांस–मछली और अंडों की कीमतों में बड़ी नरमी देखने को मिली है। यहां तक कि तिलहन की कीमतें भी कुछ कम हुई हैं। हालांकि घरेलू स्तर पर इनके दामों पर नजर रखने की जरूरत बनी हुई है क्योंकि बुवाई की रफ्तार सुस्त पड़ी है। मौसमी रूप से समायोजित के आधार पर उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (ब्च्) अगस्त में महीने–दर–महीने 0.8: बढ़ा। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा के इन–हाउस इकोनॉमिक कंडीशन इंडेक्स के अनुसार सितंबर 2025 के शुरुआती 10 दिनों में यह –0.9: पर रहा, जो आगे कीमतों में और नरमी के संकेत देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौसम से जुड़ी बाधाओं का असर प्रमुख सब्जियों टमाटर, प्याज और आलू (टीओपी) की आपूर्ति पर नहीं पड़ा है। दूसरी ओर, कोर महंगाई स्थिर बनी हुई है और सोने को छोड़कर कोर महंगाई निम्न स्तर पर बनी रही है।

आयकर विभाग ने बताया अब तक 6 करोड़ से अधिक आईटी रिटर्न दाखिल हुए, 15 सितंबर है आखिरी तारीख

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि कर निर्धारण वर्ष 2025–26 के लिए अब तक छह करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। बिना जुर्माने के आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। आयकर विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, करदाताओं और कर पेशेवरों को धन्यवाद, जिन्होंने हमें अब तक 6 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) के मील के पत्थर तक पहुंचने में मदद की है और यह संख्या अब भी जारी है। आईटीआर फाइलिंग, कर भुगतान और अन्य संबंधित सेवाओं के लिए करदाताओं की सहायता के लिए, हमारा हेल्पडेस्क 24•7 आधार पर काम कर रहा है। विभाग कॉल, लाइव चौट, वेबएक्स सत्र और ट्विटर/एक्स के माध्यम से सहायता प्रदान कर रहा है। आयकर विभाग ने उन करदाताओं से भी कहा, जिन्होंने निर्धारण वर्ष 2025–26 के लिए आईटीआर दाखिल नहीं किया है, से अपील की है कि वे अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए जल्द से जल्द इसे दाखिल करें। आयकर विभाग ने मई में ऐसे व्यक्तियों, एचयूएफ और संस्थाओं (जिन्हें अपने खातों का ऑडिट नहीं करना पड़ता) की ओर से आकलन वर्ष (एवाई) 2025–26 (वित्तीय वर्ष 2024–25 में अर्जित आय के लिए) के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर करने की घोषणा की थी। आयकर विभाग ने यह फैसला आयकर रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म में श्संरचनात्मक और विषयवस्तु से जुड़े बदलावोंश के कारण लिया था। आयकर रिटर्न फॉर्म्स की अधिसूचना अप्रैल के अंत और मई की शुरुआत में जारी की गई थी। आकलन वर्ष 2025–26 के लिए आईटीआर फॉर्म में किए गए बदलावों के साथ–साथ आईटीआर फाइलिंग सुविधाओं और बैक–एंड सिस्टम में भी बदलाव किए जाने की जरूरत थी। पिछले कुछ वर्षों में आईटीआर दाखिल करने में लगातार वृद्धि देखी गई है। ऐसा बढ़ते अनुपालन और कर आधार के विस्तार के कारण है। निर्धारण वर्ष 2024–25 के लिए, 31 जुलाई, 2024 तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे, जबकि निर्धारण वर्ष 2023–24 में यह संख्या 6.77 करोड़ थी। इसमें साल–दर–साल आधार पर 7.5 प्रतिशत हुई है।

डॉलर का प्रभुत्व लंबे समय तक बना रहेगा, आईएमएफ की पूर्व अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने बताई ये वजह

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री और उप प्रबंद निदेशक गीता गोपीनाथ का मानना है कि निकट भविष्य में डॉलर के प्रभुत्व में बदलाव की संभावना कम है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के रूप में वापसी करने वाली गोपीनाथ ने अमेरिकी संस्थानों की मजबूती और वित्तीय बाजारों की गहराई को डॉलर की ताकत का प्रमुख आधार बताया। आईएमएफ में कार्यकाल के दौरान उन्होंने डॉलर प्रभुत्व पर लगातार शोध किया। आईएमएफ पॉडकास्ट के एक हालिया एपिसोड में जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस विषय में खास दिलचस्पी क्यों रही, तो उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में असमानता और शक्ति का असंतुलन ही उनकी रुचि का कारण रहा। गोपीनाथ ने कहा कि दुनिया में किसी भी मुद्रा की अहमियत केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कोई देश कितना वैश्विक व्यापार करता है। हालांकि वास्तविकता इससे कोसों दूर है। यह सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाओं तक सीमित नहीं है कि वे अपनी मुद्राओं का उपयोग कम कर पाती हैं, बल्कि कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएं भी अपने वैश्विक व्यापार हिस्से के मुकाबले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नजर नहीं आतीं। उनके मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों और संस्थागत मजबूती जैसे कारक ही असल में किसी मुद्रा की वैश्विक प्रभुत्व की स्थिति तय करते हैं।

द. अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड ने मचाया धमाल, टी20 में 300 रन बनाने वाली तीसरी टीम बनी, सॉल्ट का शतक

मैनचेस्टर। फिल सॉल्ट और जोस बटलर की शतकीय साझेदारी के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 146 रनों से हराया। इंग्लैंड ने इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और वह टी20 में 300 रन बनाने वाली तीसरी टीम बन गई। इंग्लैंड पहला पूर्णकालिक सदस्य देश है जिसने फटाफट क्रिकेट में 300 रनों का आंकड़ा पार किया। इंग्लैंड ने इस धमाकेदार जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज में 1–1 की बराबरी हासिल कर ली है।

इंग्लैंड ने भारत को पीछे छोड़ा

दक्षिण अफ्रीका ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया, लेकिन सॉल्ट और बटलर की जोड़ी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई जिससे इंग्लैंड 20 ओवर में दो विकेट पर 304 रन बनाने में सफल रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम 16.1 ओवर में 158 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड का टी20 में यह सर्वोच्च स्कोर है और वह नेपाल तथा जिम्बाब्वे के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 300 रन बनाने वाला तीसरा देश बन गया। हालांकि, आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य देशों में अब तक कोई ऐसा नहीं कर सका है और इंग्लैंड पहली पूर्णकालिक सदस्य टीम है जिसने टी20 में 300 रन बनाए हैं। इंग्लैंड ने इस मामले में भारतीय टीम को पीछे छोड़ा जिसके नाम टी20 में छह विकेट पर 297 रन बनाने का रिकॉर्ड था।

सॉल्ट–बटलर की शतकीय साझेदारी

इंग्लैंड के लिए सॉल्ट और बटलर ने पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बटलर 30 गेंदों पर आठ चौकों और सात छक्कों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सॉल्ट ने जैकब बेथेल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की। बेथेल 14 गेंदों पर 26 रन

बनाकर पवेलियन लौटे। सॉल्ट फिर भी टिके रहे और शतक लगाने में कामयाब रहे। उनका साथ देने कप्तान हैरी ब्रूक उतरे और दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की अविजित साझेदारी कर डाली। सॉल्ट 60 गेंदों पर 15 चौकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 141 और ब्रूक 21 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाकर नाबाद लौटे। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और उसे 146 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड ने अपनी बल्लेबाजी से कई रिकॉर्ड बनाए। आइए जानते हैं वो कौन से रिकॉर्ड हैं जो इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20 मैच के दौरान बने...

बटलर ने 18 गेंदों पर अर्धशतक लगाया जो इंग्लैंड के लिए किसी बल्लेबाज का तीसरा सबसे तेज पचासा है। उनसे पहले लियाम लिविंगस्टोन (17 गेंद) और मोईन अली (16 गेंद) पर अर्धशतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड ने 5.5 ओवर में 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया था। टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी पूर्णकालिक सदस्य टीम द्वारा दूसरी बार सबसे तेजी से 100 रन पूरे हुए हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली टीमें

स्कोर	टीम	बनाम	स्थान	वर्ष
344/4	जिम्बाब्वे	गाम्बिया	नैरोबी	2024
314/3	नेपाल	मंगोलिया	हांगझोऊ	2023
304/2	इंग्लैंड	द. अफ्रीका	मैनचेस्टर	2025
297/6	भारत	बांग्लादेश	हैदराबाद	2024
286/5	जिम्बाब्वे	सेशेल्स	नैरोबी	2024

पाक का जीत के साथ आगाज, ओमान को 93 रन से पटखनी दी

अयूब–मुकीम और अशरफ को दो–दो विकेट मिले

दुबई। पाकिस्तान ने ओमान को 93 रन से हराकर एशिया कप 2025 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। शुक्रवार को मौजूदा टूर्नामेंट का चौथा मुकाबला दुबई में खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने मोहम्मद हारिस की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में ओमान की टीम 16.4 ओवर में सिर्फ 67 रन बना पाई और मुकाबला हार गई।

ओमान की पारी

161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की शुरुआत झटके के साथ हुई। उन्हें पहला झटका कप्तान जतिंदर सिंह के रूप में महज दो रन के स्कोर पर लगा। सईम अयूब ने उन्हें बोल्ड किया। वह सिर्फ एक रन बना पाए। इसके बाद अयूब ने आमिर कलीम को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ओमान के लिए हम्माद मिर्जा ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। शकील अहमद ने 10 रन बनाए जबकि समय श्रीवास्तव पांच रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान के लिए सईम अयूब, सुफियान मुकीम और फहीम अशरफ ने दो–दो विकेट झटके। वहीं, शाहीन शाह अफरीदी, अबरार अहमद और मोहम्मद नवाज को एक–एक सफलता मिली।

पाकिस्तान की पारी

पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। सईम अयूब को पहले ओवर की दूसरी गेंद पर शाह फैसल ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद हारिस ने साहिबजादा फरहान के साथ मोर्चा संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 गेंदों में 85 रनों की साझेदारी हुई, जिसे आमिर कलीम ने तोड़ा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज फरहान को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। वह 29 गेदों में 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस दौरान मोहम्मद हारिस ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। वह 43 गेंदों में 66 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उनके बल्ले से सात चौके और तीन छक्के निकले। हारिस को आमिर कलीम ने ही बोल्ड किया। वह यहीं नहीं रुके, उन्होंने 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान सलमान आगा को हम्माद मिर्जा के हाथों कैच कराया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। टीम को पांचवां झटका हसन नवाज के रूप में लगा। उन्हें शाह फैसल ने ही हसनैन के हाथों कैच कराया।

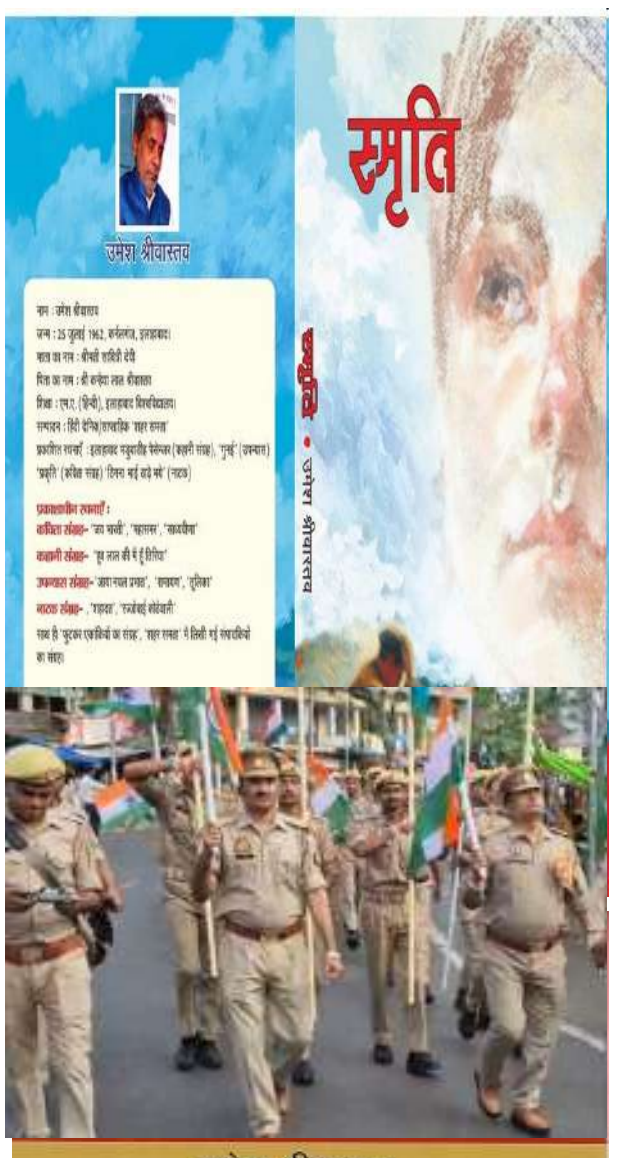

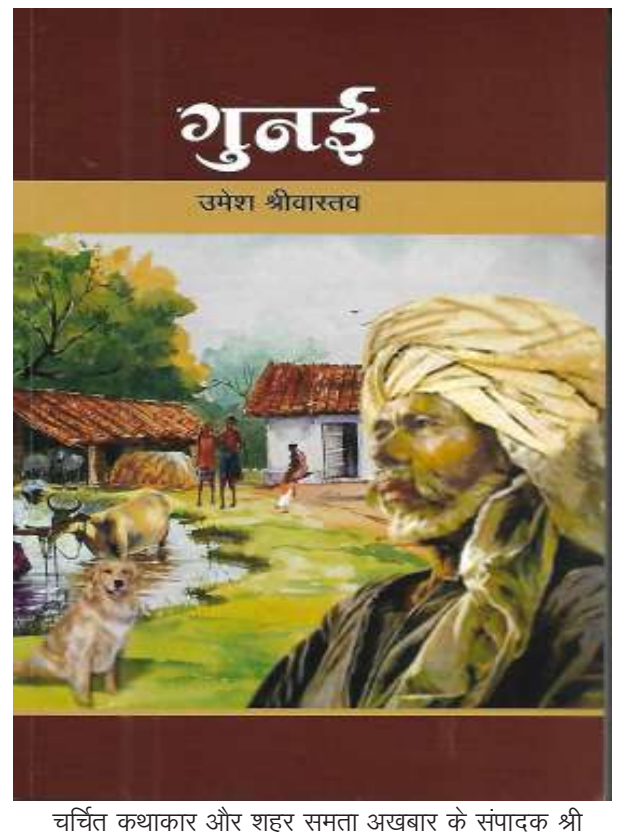

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

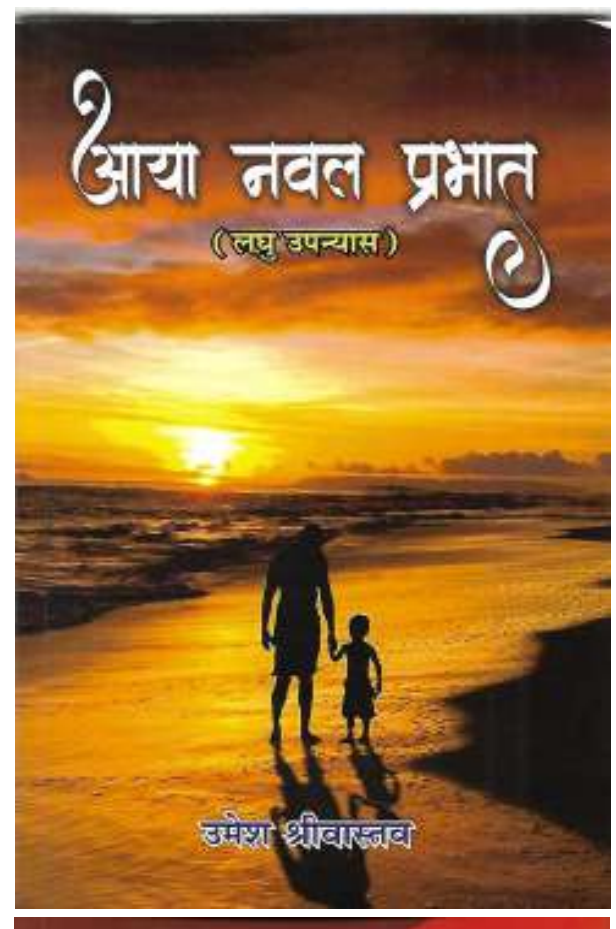

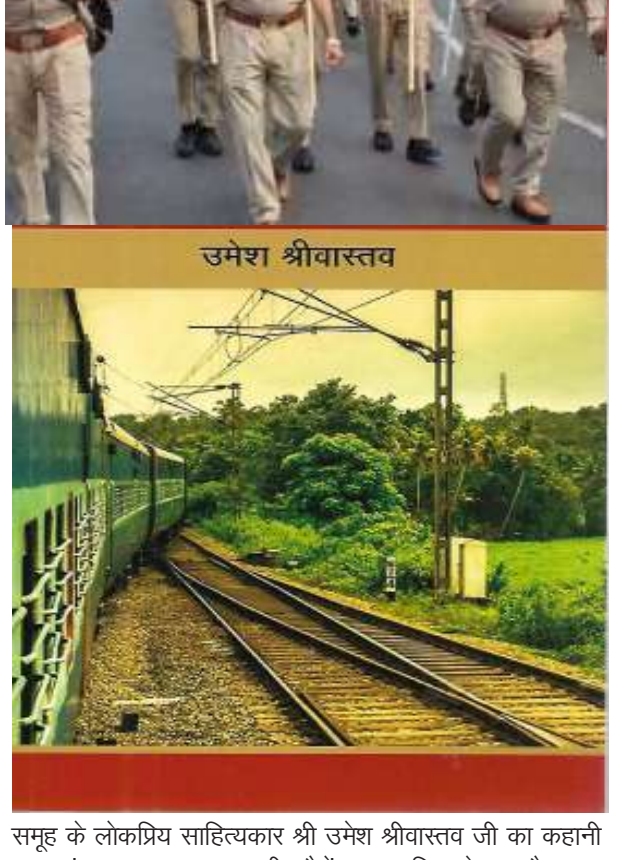

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

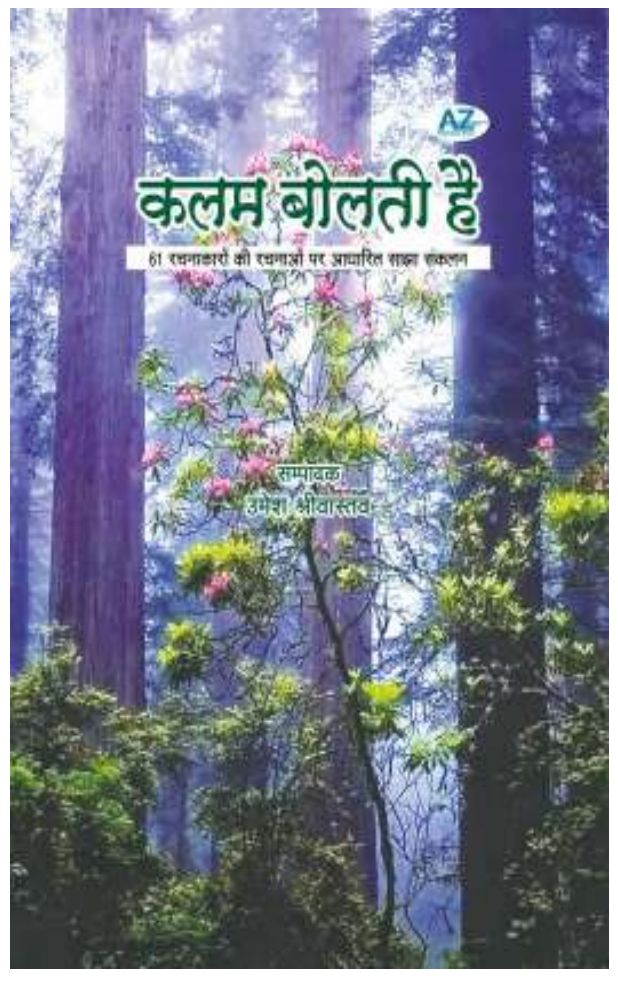

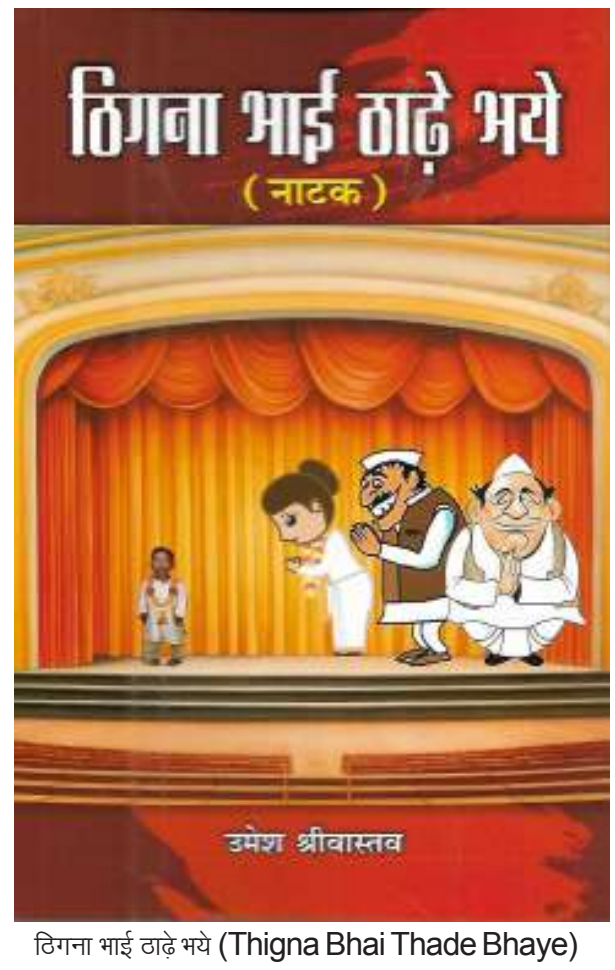

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

रूस के कामचटका में 7.4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रूस के कामचटका क्षेत्र के पूर्वी तट के पास 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किलोमीटर (6.2 मील) की उथली गहराई पर आया। हालाँकि, संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने इसकी तीव्रता 7.4 बताई है, जिसका केंद्र 39.5 किलोमीटर की गहराई पर था। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर के दायरे में रूसी तटों को प्रभावित करने वाली खतरनाक लहरों की चेतावनी दी है। यूएसजीएस ने शुरुआत में भूकंप की तीव्रता 7.5 बताई थी, लेकिन बाद में इसे कम कर दिया।

पूर्वी रूस में आए भीषण भूकंप के महीनों बाद

यह भूकंप जुलाई में रूस के कामचटका प्रायद्वीप में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कुछ ही महीने बाद आया है, जिससे पूर्वी रूस में तीव्र भूकंपीय लहरें उठीं और जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और कई प्रशांत द्वीपीय देशों सहित कई देशों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

14 वर्षों में सबसे शक्तिशाली भूकंप

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (न्छै) के अनुसार, जुलाई में आया भूकंप पिछले 14 वर्षों में दुनिया भर में दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली भूकंप था, और इतिहास में छठा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। यह 2011 में जापान में आए 9.1 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद सबसे तीव्र था, जिसने एक भीषण सुनामी और व्यापक विनाश को जन्म दिया था।

यरुशलम के बाहर होटल में दो लोगों पर चाकू से हमला, इजराइली पुलिस ने इसे आतंकवादी हमला बताया

फलस्तीन के एक कर्मचारी ने शुक्रवार को यरुशलम के बाहर एक होटल में दो मेहमानों पर चाकू से हमला किया। इस हमले को इजराइली पुलिस ने आतंकवादी हमला बताया है। इस सप्ताह इस क्षेत्र में यह दूसरा हमला है। पुलिस के अनुसार, कर्मचारी एक होटल के रसोईघर से बाहर आया और भोजन कक्ष में दो मेहमानों पर चाकू से हमला कर दिया। इसने बताया कि एक पुलिस अधिकारी और होटल के प्रबंधक ने हमलावर से तब तक मुकाबला

किया जब तक कि अन्य अधिकारी वहां नहीं पहुंच गए और उसे गिरफ्तार नहीं कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि उसने लगभग 50 और 25 वर्ष की आयु के दो लोगों को निकटवर्ती एक अस्पताल में पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि दोनों लोगों पर चाकू से हमला किया गया तथा वृद्ध व्यक्ति की हालत गंभीर है। इजराइली पुलिस ने कहा कि हमलावर पूर्वी यरुशलम के शुआफत क्षेत्र का रहने वाला था तथा हमले में शामिल होने के संदेह में तीन अन्य संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया गया है।

इजरायल ने बिगाड़े रिश्ते, संभालने खुद ट्रंप उतरे, ऐसा डिनर दिया, कतर पीएम बोले- शानदार, जबरदस्त

इजरायल ने हमास के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कतर के दोहा में एक बड़ा हमला किया था। इस हमले में हमास के पोलित ब्यूरो के सदस्यों को निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। इसके बाद मामला बिगड़ गया। कतर ने न सिर्फ इजरायल के इस हमले की निंदा की बल्कि ये तक कह दिया कि उसके पास इस तरह की कार्रवाई का जवाब देने का पूर्ण तरीके से अधिकार है। हमास के कमांडरों को मार गिराने के नाम पर दोहा में हमले ने इस्लामिक देशों को उकसा दिया है। पाकिस्तान, सऊदी अरब, यूएई समेत कई मुस्लिम देशों ने भी इस हमले की निंदा की है।

इसी के चलते कतर ने रविवार और सोमवार को अरब और इस्लामिक देशों की मीटिंग बुलाई है। इस बीच हालात संभालने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद ही उतर आए हैं। न्यूयॉर्क में ट्रंप ने कतर के पीएम शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी से मुलाकात की। कतर के उप मिशन प्रमुख हमाह अल-मुफ्ताह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ शानदार डिनर अभी समाप्त हुआ। अल जज़ीरा की किम्बर्ली हालकेट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ डिनर बैठक से पहले, शेख मोहम्मद ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की, जहाँ उन्होंने इज़राइल के हमलों और अमेरिका-क़तर सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। वाशिंगटन, क़तर, जो दोहा के बाहरी इलाके में स्थित अल उदीद एयरबेस की मेजबानी करता है, को एक मज़बूत खाड़ी सहयोगी मानता है। ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि वह इज़राइल द्वारा क़तर को निशाना बनाए जाने से बहुत नाखुश हैं, जो इज़राइल-हमास युद्धविराम वार्ता को पटरी से उतारने के लिए रचा गया प्रतीत होता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

नेपाल में राजनीतिक संकट खत्म

देश को मिली पहली महिला प्रधानमंत्री

नेपाल प्रशासन ने शनिवार (13 सितंबर, 2025) को काठमांडू घाटी और नेपाल के अन्य हिस्सों में लागू कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश हटा दिए, जिससे दैनिक जीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। यह घटनाक्रम पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के शुक्रवार को नेपाल की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाली पहली महिला प्रधानमंत्री बनने के एक दिन बाद हुआ है। इस तरह, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण देशव्यापी आंदोलन के कारण के.पी. शर्मा ओली सरकार को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था, जिसके बाद कई दिनों से जारी राजनीतिक अनिश्चितता का अंत हो गया। नेपाल सेना के एक प्रवक्ता के अनुसार, शनिवार को कोई कर्फ्यू या आवाजाही प्रतिबंध नहीं होने के कारण, दैनिक जीवन फिर से शुरू हो गया। कई दिनों तक बंद रहने के बाद दुकानें, बाज़ार और मॉल फिर से खुल गए और सड़कों पर वाहन फिर से दिखाई देने लगे। कई जगहों पर सफाई अभियान चल रहा था, जिनमें कई सरकारी इमारतें भी शामिल थीं जिन्हें अशांति के दौरान आग लगा दी गई थी या तोड़फोड़ की गई थी। ओली ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया, जिसके कुछ ही घंटे बाद प्रदर्शनकारियों ने उनके कार्यालय पर धावा बोल दिया और सोमवार को हुई हिंसक कार्रवाई के दौरान कम से कम 19 प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए उन्हें ज़िम्मेदार ठहराया। उसी रात, सरकार ने सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया, जो जनता के आक्रोश का केंद्र बना हुआ था।

5 मार्च, 2026 से पहले आम चुनाव

अंतरिम सरकार ने घोषणा की है कि 5 मार्च, 2026 से पहले आम चुनाव होंगे। यह घोषणा स्थिरता और जनता का विश्वास बहाल करने के उद्देश्य से आंतरिक राजनीतिक वार्ता के बाद की गई है।

नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मिलने वाले पहले भारतीय राजदूत

राष्ट्रपति भवन (शीतल निवास) में शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद, नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव, नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से मिलने वाले पहले विदेशी राजनयिक बने। मुलाकात के दौरान, राजदूत श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बधाई संदेश दिए और नेपाल को इस संक्रमण काल घ्घ्से उबरने में भारत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री कार्की ने भारत के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि नेपाल अपने निकटतम पड़ोसी के साथ मज़बूत सहयोग की आशा करता है। उन्होंने इस विश्वास पर ज़ोर दिया कि भारत, हमेशा की तरह, नेपाल के लोगों के सर्वोत्तम हित में कार्य करेगा।

नेपाल में जेन-जेड विरोध प्रदर्शन

नेपाल पुलिस द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस सप्ताह की शुरुआत में युवाओं के नेतृत्व में हुए ष्जेन-जेडष् विरोध प्रदर्शनों में एक भारतीय नागरिक सहित कम से कम 51 लोग मारे गए। ओली के जाने के बाद, नेपाली सेना ने आंतरिक सुरक्षा का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और काठमांडू घाटी तथा अन्य क्षेत्रों में सीमित आवाजाही के आदेश लागू कर दिए, तथा निर्धारित समय के दौरान सार्वजनिक गतिविधियों की अनुमति दे दी।

हमारे देश और बच्चों के लिए दे दी जान, चार्ली किर्क की पत्नी का आया पहला बयान

रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की विधवा एरिका किर्क ने अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी की है। दो दिन पहले यूटा वैली विश्वविद्यालय में भाषण देते समय उनके पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी खाली स्टूडियो कुर्सी के पास खड़ी और उनके क्रॉस नेकलेस को पकड़े हुए, एरिका ने अपने पति के जीवन और विरासत का सम्मान करते हुए अपना दुःख साझा किया। उन्होंने कहा कि मेरे पति ने मेरे लिए, हमारे देश के लिए, हमारे बच्चों के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। एरिका ने दुःख और शक्ति दोनों से भरी आवाज़ में कहा कि उन्होंने परम और सच्चा वाचागत प्रेम दिखाया। उनके शब्दों के साथ एक तख्ती भी थी जिस पर लिखा था। चार्ली को हमारे प्रेममय उद्धारकर्ता, यीशु की दयालु बाहों में स्वीकार किया जाए। भरे हुए गले के साथ उन्होंने कहा कि मेरे पति ने मेरे लिए, हमारे देश के लिए, हमारे बच्चों के लिए अपनी जान दे दी। चार्ली को हमारे प्यारे उद्धारकर्ता, यीशु की दयालु बाहों में स्वीकार किया जाए। एरिका ने पहले राहतकर्मियों और उन अनगिनत समर्थकों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने इस दुखद घटना के बाद से उनके परिवार का साथ दिया। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के प्रति भी उनके समर्थन के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने चार्ली और उन दोनों के बीच के गहरे रिश्ते को याद करते हुए कहा राष्ट्रपति महोदय, मेरे पति आपसे बहुत प्यार करते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को कहा कि रूढ़िवादी कार्यकर्ता और डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या के संदिग्ध को दो दिन की तलाशी के बाद हिरासत में ले लिया गया है। फॉक्स न्यूज के श्फॉक्स एंड फ्रेंड्सश शो में ट्रंप ने घोषणा की। इस बात की पूरी संभावना है कि हमने उसे पकड़ लिया है। उसके किसी करीबी ने उसे पकड़वाया है। उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय पुलिस, गवर्नर और एफबीआई ने बहुत अच्छा काम किया। ईसा मसीह का शुक्र है। ईश्वर इसे शीघ्र पूरा करे।

केपी शर्मा ओली ने पद से हटने के बाद दिया पहला बयान, बोले-

भारत विरोधी रुख के कारण ही मेरा ये हाल हुआ

नेपाल में सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार की कमान संभाल ली है। शुक्रवार शाम उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई गयी और अब धीरे-धीरे नेपाल के हालात सामान्य होने लगे हैं। लेकिन एक सवाल अब भी बना हुआ है कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली कहां हैं? हम आपको बता दें कि मंगलवार को जब 'जेन-जेड प्रदर्शनकारियों' ने संसद भवन में घुसपैठ कर ली थी और ओली के निजी आवास में आग लगा दी थी तो उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। जैसे-जैसे जेन-जेड आंदोलन ने रफ़्तार पकड़ी, नेपाल सेना का एक हेलिकॉप्टर उन्हें एक अज्ञात सुरक्षित स्थान पर ले गया। इसके बाद ओली ने आंदोलनकारियों के नाम एक पत्र लिखा, जिसे उनके प्रेस सचिव ने सार्वजनिक किया। पत्र में उन्होंने दावा किया कि भारत-विरोधी रुख ही उनके पद से हटने की मुख्य वजह बना। ओली ने लिखा, "मैंने हमेशा यह ज़ोर दिया कि हमारे देश में काम करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म को यहां के नियमों का पालन करना चाहिए और पंजीकृत होना चाहिए। मैंने कहा कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा नेपाल के हिस्से हैं। मैंने यह भी कहा कि भगवान श्रीराम का जन्म नेपाल में हुआ था, न कि भारत में जैसा कि शास्त्रों में उल्लेख है। अगर मैं इन बातों पर पीछे हट जाता३" ओली ने ज़ोर दिया कि अगर उन्होंने इन मुद्दों पर समझौता किया होता तो उन्हें "कई और अवसर" मिल सकते थे। उन्होंने यह भी बताया कि वे वर्तमान में शिवपुरी (काठमांडू से लगभग 27 किमी उत्तर) में नेपाल सेना के अधिकारियों के साथ सुरक्षित स्थान पर रह रहे हैं। इस्तीफ़े के बाद पहली बार चुप्पी तोड़ते हुए ओली ने फ़ेसबुक पोस्ट में लिखा कि नेपाल को भगवान राम की जन्मभूमि बताना और विवादित क्षेत्रों पर दावा करना उनके लिए "ग़ैर-समझौतावादी" मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही वह पद से हट गए हों, लेकिन इन मुद्दों पर डटे रहेंगे। ओली ने अपनी पार्टी को लिखे खुले पत्र में लिखा, "मेरी प्रकृति कुछ जिद्दी है। अगर ऐसा न होता तो मैं बहुत पहले हार मान लेता। इसी जिद के साथ मैंने सोशल मीडिया कंपनियों पर पाबंदियों की मांग की, नेपाल के मानचित्र को संयुक्त राष्ट्र में भेजा और हमेशा यह कहा कि लिपुलेख, कालापानी व लिम्पियाधुरा हमारे हैं।" हालाँकि, ओली का वास्तविक ठिकाना अभी भी रहस्य बना हुआ है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि वह दुबई चले गए हैं, जबकि कुछ में उनके भूमिगत हो जाने की बात कही गई है। लेकिन आधिकारिक तौर पर कुछ भी स्पष्ट नहीं है। इस बीच, नेपाल सेना ने कहा है कि देश में हालात "नियंत्रण में" हैं, लेकिन उन्हें भी ओली के ठिकाने की जानकारी नहीं है। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल राजाराम बस्नेत ने कहा, "हमें उनके बारे में कोई सूचना नहीं है।" बहरहाल, नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भले आज भारत पर दोषारोपण करते रहें लेकिन वास्तविकता यह है कि ओली का कार्यकाल भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी और जन असंतोष से भरा रहा। जनता को रोज़गार और राहत देने की बजाय उन्होंने भावनात्मक नारों से माहौल गरमाने की कोशिश की। उनके चीन-समर्थक रुख ने भी नेपाल की मुश्किलें बढ़ाईं। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के वादों ने नेपाल पर क़र्ज़ का बोझ तो डाला, लेकिन वास्तविक विकास और रोज़गार नहीं ला पाए। साथ ही भारत से संबंध बिगाड़कर उन्होंने नेपाल की उस जीवनरेखा को कमज़ोर किया, जिस पर उसकी अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा निर्भर है। आज ओली अपने पतन का ठीकरा भारत पर फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह रणनीति उन्हें अपने समर्थकों के बीच "विदेशी साज़िश का शिकार" दिखा सकती है। ओली को लगता है कि खुद को विदेशी साजिश का शिकार बता कर वह सहानुभूति अर्जित कर सकते हैं जिससे उन्हें भविष्य में पुनः सत्ता में लौटने का अवसर मिल जाये। लेकिन नेपाल की जनता अच्छी तरह समझती है कि असली कारण उनकी जिद, ग़लत प्राथमिकताएँ और चीन पर अत्यधिक भरोसा था। नेपाल को आगे बढ़ने के लिए ऐसे नेतृत्व की ज़रूरत है जो संतुलन साध सकेकृ न तो भावनात्मक राष्ट्रवाद में उलझे और न ही किसी एक पड़ोसी की छाया में चले। ओली की जिद ने नेपाल को केवल अस्थिरता और अविश्वास दिया है। अब समय है कि नेपाल इस बोझ से मुक्त होकर यथार्थवादी और विकासोन्मुख राजनीति की ओर बढ़े।

भारत पर टैरिफ लगाना बड़ा कदम था, ट्रंप ने बयां किया दर्द, दोनों देशों के रिश्तों पर पड़ा असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाना आसान काम नहीं है क्योंकि इससे दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया है। फॉक्स एंड फ्रेंड्स को दिए एक साक्षात्कार में जब ट्रंप से पूछा गया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर सख्ती का क्या मतलब है, तो

उन्होंने कहा देखिए, भारत उनका सबसे बड़ा ग्राहक था। मैंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया क्योंकि वे रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह आसान काम नहीं है। यह एक बड़ी बात है और इससे भारत के साथ मतभेद पैदा होते हैं। लेकिन मैं ये पहले ही कर चुका हूँ। मैंने बहुत कुछ किया है। ट्रंप ने आगे कहा कि याद रखिए कि यह हमारी समस्या से कहीं ज़्यादा यूरोप की समस्या है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान कई वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के अपने दावों को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि मैंने सात युद्ध सुलझाए हैं। मैंने कई युद्ध सुलझाए हैं, जिनमें पाकिस्तान और भारत भी शामिल हैं, लेकिन बड़े युद्ध, जिनमें से कुछ अनसुलझे थे, जैसे कांगो और रवांडा। मैंने उन्हें सुलझाया। यह 31 सालों से चल रहा था, लाखों लोग मारे गए। मैंने ऐसे युद्ध सुलझाए जो अनसुलझे थे। इस बीच, भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए ज़ोर देकर कहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाज़ार की गतिशीलता से निर्देशित होती है। इससे पहले, भारत में अगले राजदूत के लिए ट्रंप द्वारा नामित सर्जियो गोर ने गुरुवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत, जिसका मध्यम वर्गीय बाज़ार अमेरिका से भी बड़ा है, अमेरिकी कच्चा तेल और तेल उत्पाद खरीदे। उन्होंने आगे कहा कि चल रही व्यापार वार्ता इसी दिशा में लक्षित है। गोर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत की 1.4 अरब से ज़्यादा की आबादी और तेज़ी से बढ़ता मध्यम वर्ग, अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। एक दिन पहले, अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने संकेत दिया था कि जैसे ही नई दिल्ली रूस से तेल ख़रीदना बंद कर देगा, भारत के साथ व्यापार समझौता आगे बढ़ सकता है।

नेपाल में फंसी वॉलीबॉल टीम को भारत ने सुरक्षित निकाला

नेपाल में बढ़ते सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच फंसे भारतीय वॉलीबॉल खिलाड़ियों के एक समूह को प्रस्तोता उपासना गिल की तत्काल अपील पर काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने सफलतापूर्वक बचा लिया है।

यह बचाव अभियान ऐसे समय में चलाया जा रहा है जब देश में हिंसक प्रदर्शन जारी हैं और मृतकों की संख्या 51 हो गई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।